उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 10 || अंकः48 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 22 दिसंबर 2025

अंदर के पृष्ठ पर | आठवें वेतन आयोग में पुराने पेंशनर्स को लाभ देने की जोरदार उठाई गयी आवाज 7 | मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कानपुर जिलाधिकारी ने की शिष्टाचार भेंट 8

बांग्लादेश में बवाल: सात साल की बच्ची को जलाया जिंदा, सरकार को 24 घंटों का अल्टीमेटम

» बीपी एस न्यूज

बांग्लादेश में हालिया हिंसक घटनाओं ने देश को हिलाकर रख दिया है। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की आगजनी और हमलों में लक्ष्मीपुर सदर उपजिला में एक निर्दोष बच्ची जिंदा जल गई। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, शनिवार को बीएनपी नेता के घर को बाहर से ताला लगाकर आग लगा दी गई, जिसमें बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य लोग बुरी तरह झुलस गए।

गौरतलब है कि 12 दिसंबर को ढाका के बिजोयनगर में चुनावी रैली के दौरान मास्क पहने हमलावरों ने हादी के सिर में गोली मार दी थी। सिंगापुर में गुरुवार को इलाज के दौरान 32 वर्षीय हादी की मौत हो गई। शनिवार को ढाका विश्वविद्यालय मस्जिद के निकट काजी नजरुल इस्लाम

की समाधि स्थल पर भारी सुरक्षा के बीच उनका अंतिम संस्कार किया गया।

हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में व्यापक तोड़फोड़ और हमले शुरू हो गए। चटोग्राम में सहायक भारतीय उच्चायुक्त के घर पर पथराव भी किया गया। अंतिम संस्कार के ठीक बाद हादी की पार्टी इंकलाब मंच ने अंतरिम सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया। शाहबाग चौराहे पर हजारों समर्थकों की सभा में प्रवक्ता ने हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

जुलाई 2024 के बड़े विद्रोह के प्रमुख चेहरा रहे हादी भारत के कट्टर विरोधी थे और इंकलाब मंच के मुखपत्र थे। उन्होंने ढाका-8 क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार बनकर 13वें संसदीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। परिवार ने शाहबाग में स्मारक बनाने की अपील की, जहाँ से सत्ता परिवर्तन आंदोलन की शुरुआत हुई थी। यूनुस सरकार ने उनकी मौत पर एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया और ढाका में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।

बांग्लादेशी हिंसा के असर से नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के आसपास हाई अलर्ट है। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार रात से ही अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी। शुक्रवार को बैरिकेडिंग लगाई गई और वाहनों की कड़ी तलाशी ली जा रही है।

मोदी ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर विद्यार्थियों से संवाद किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार सुबह असम दौरे के दूसरे दिन ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज पर सवार हुए और 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से संवाद किया। इस कार्यक्रम में असम के विभिन्न स्कूलों के कुल 25 छात्रों ने भाग लिया।अधिकारियों के अनुसार, मोदी तीन डेक वाले 'एम वी चराइदेव दो' क्रूज पर सवार हुए। वह अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) के गुवाहाटी गेटवे टर्मिनल पहुंचे और तैरते पुल के रास्ते जहाज तक गए। हाल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस टर्मिनल का उद्घाटन किया था।

पीएम मोदी के घुसपैठिए वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार

नाकामी छिपाने के लिए विपक्ष पर मढ़ रहे दोष

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घुसपैठियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर पलटवार किया है। खरगे ने कहा कि केंद्र और असम दोनों जगह भाजपा की सरकारें हैं, जिसे वे खुद डबल इंजन सरकार कहते हैं। ऐसे में यदि सुरक्षा व्यवस्था में विफलता है तो उसकी जिम्मेदारी विपक्ष पर कैसे डाली जा सकती है? दरअसल पीएम मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है। वह अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को असम में बसाने की कोशिश कर रही है।

वे देशद्रोही हैं, हम नहीं- खरगे

असम दौरे पर पीएम मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, केंद्र में उनकी सरकार है और असम में भी उनकी सरकार है, जिसे वे डबल-इंजन सरकार कहते हैं। अगर वे सुरक्षा देने

में असफल हो जाते हैं, तो वे विपक्षी पार्टियों पर आरोप कैसे लगा सकते हैं? जब सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल रहती है, तो सारा दोष विपक्ष पर मढ़ देती है। मैं ऐसे बयान की कड़ी निंदा करता हूं।

खरगे ने आगे कहा, वे राष्ट्रविरोधी हैं, हम नहीं। हम देश के हित में जो भी अच्छा होगा, वह करेंगे, लेकिन हम आतंकवादियों, घुसपैठियों या किसी और का समर्थन नहीं करेंगे। वह सिर्फ दोष दूसरों पर डाल रहे हैं क्योंकि वे उन्हें रोकने में नाकाम रहे हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि असल में सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए आरोप-प्रत्यारोप कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है और असम में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को बसाने में मदद कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी पार्टी का असमिया लोगों की पहचान, अस्तित्व और गौरव से कोई लेना-देना नहीं है, जिसे भाजपा ने बचाने की कोशिश की है।मोदी ने कहा, कांग्रेस मतदाता सूची में संशोधन का विरोध कर रही है क्योंकि वह केवल सत्ता हथियाना चाहती हैज वह मेरे अच्छे कार्यों का विरोध करती हैज भाजपा सरकार हमेशा असमिया लोगों की पहचान, भूमि, गौरव और अस्तित्व की रक्षा के लिए काम करती रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य असम को उतना शक्तिशाली बनाना है जितना कि वह अहोम साम्राज्य के समय हुआ करता था।औद्योगीकीकरण और कनेक्टिविटी असम के सपनों को पूरा कर रहे हैं। भाजपा की 'डबल-इंजन' सरकार युवाओं को नए सपने देखने के लिए सशक्त बना रही है।उन्होंने यह भी कहा कि नामरूप यूरिया संयंत्र से स्थानीय किसानों को मदद मिलेगी और असम के युवाओं के लिए हजारों नौकरियां सृजित होंगी।नामरूप उर्वरक संयंत्र असम में औद्योगिक विकास का प्रतीक बनेगा। यह दुख की बात है कि कांग्रेस ने संयंत्र को आधुनिक बनाने और किसानों की समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए कोई प्रयास नहीं किया।

महंगा होगा रेल का सफर, 26 दिसंबर से बढ़ेगा किराया

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों के लिए बड़ा एलान किया है। 26 दिसंबर 2025 से ट्रेनों के किराए में संशोधन लागू होने जा रहा है। इस फैसले का असर देशभर के करोड़ों यात्रियों पर पड़ेगा, हालांकि रेलवे ने छोटी दूरी की यात्रा करने वालों को राहत देते हुए 215 किलोमीटर तक के सफर पर किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। दैनिक यात्रियों के हित में उपनगरीय ट्रेनों और मासिक सीजन टिकटों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रेलवे के अनुसार, साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर तक की यात्रा पर कोई अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाएगा। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों और छोटी दूरी के यात्रियों की जेब पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेलवे का कहना है कि यह फैसला आम यात्रियों को ध्यान में रखकर लिया गया है।

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि 215 किलोमीटर से अधिक दूरी की यात्रा पर साधारण श्रेणी में 1 पैसा प्रति किलोमीटर, जबकि मेल/एक्सप्रेस और एसी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। उदाहरण के तौर पर करीब 1000 किलोमीटर की दूरी में जन साधारण एक्सप्रेस (नॉन-एसी) से यात्रा करने पर करीब 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। जबकि संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, वंदे भारत और राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में सफर करने पर यात्रियों को 20 रुपये अधिक चुकाने होंगे।

इन ट्रेनों पर भी लागू होगा किराया

रेल मंत्रालय के मुताबिक, नया किराया संशोधन राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं जैसी प्रीमियर व विशेष ट्रेन सेवाओं पर भी लागू होगा।

सीएम योगी की लघु व सीमांत किसानों को बड़ी सौगात

अब सिर्फ छह फीसदी ब्याज पर मिलेगा लोन

» बीपी एस न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लघु व सीमांत किसानों को बड़ी सौगात दी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंदर यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक का रेट ऑफ इंटरेस्ट लगभग साढ़े 11 फीसदी है। किसानों

को इसका काफी ब्याज देना होता है। सरकार इसे कम करने की दिशा में बढ़ रही है। लघु व सीमांत किसान को यह लोन अब महज 6 फीसदी पर मिले। प्रदेश में मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत छह प्रतिशत पर लोन एलडीबी के माध्यम से उपलब्ध कराएंगे। शेष योगदान राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। पीएम मोदी की प्रेरणा से सहकारिता के सुदृढ़ीकरण की दिशा में बढ़ाए गए अनेक कदम

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार ने पहली बार सहकारिता का नया मंत्रालय गठित किया। पहले यह कृषि मंत्रालय के अधीन छोटा आयाम हुआ करता था। पहले सहकारिता मंत्री के रूप में अमित शाह जी सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाई प्रदान कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। पीएम मोदी की प्रेरणा से हम लोगों ने सहकारिता के सुदृढ़ीकरण की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। सहकारिता आपसी विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की गारंटी भी है। दुनिया की एक चौथाई सहकारी समितियां भारत में हैं। इनमें 8.44 लाख से अधिक समितियां, 30 करोड़ से अधिक सदस्य पूरे अभियान में सामूहिक शक्ति के रूप में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

11 वर्ष में तकनीक का उपयोग कर दी जा रही भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था

सीएम योगी ने कहा कि 11 वर्ष में हमने बदलते भारत में देखा है कि तकनीक का उपयोग कर जीवन को सरल बनाते हुए भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था दी जा रही है।

नर्सरी से 12वीं तक के विद्यालय 10 से 3 बजे तक होंगे संचालित: जिलाधिकारी

» भीषण ठंड और कोहरे के चलते जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

» बीपी एस न्यूज

कानपुर। ठंड/कोहरे के दृष्टिगत जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्कूलों के समय में परिवर्तन किया है। सोमवार से जनपद कानपुर नगर में नर्सरी से 12 वीं तक के समस्त बोर्डों से मान्यता प्राप्त स्कूल प्रातः 10 से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे। डीएम ने इस आदेश का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है।

मां-बेटी से सामूहिक दुष्कर्म मामले में पांच लोग दोषी करार, आज सुनाई जाएगी सजा

बुलंदशहर। बुलंदशहर की एक अदालत ने जुलाई 2016 में मां-बेटी से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट के एक चर्चित मामले में पांच आरोपियों को दोषी करार दिया है। उन्हें सोमवार को सजा सुनाई जाएगी।सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता वरुण कौशिक ने रविवार को बताया कि विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) ओमप्रकाश वर्मा ने शनिवार को पांच आरोपी जुबेर उर्फ सुनील, साजिद, धर्मवीर उर्फ राका, सुनील उर्फ सागर और नरेश उर्फ संदीप को दोषी करार दिया।

उन्होंने बताया कि 2016 में 29 और 30 जुलाई की मध्य रात एक परिवार के कुछ लोग अपने एक रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने के लिए नोएडा से शाहजहांपुर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि देर रात करीब डेढ़ बजे, बुलंदशहर के कोतवाली देहात क्षेत्र के दोस्तपुर गांव के पास पहुंचने पर उन्हें कार से किसी भारी चीज के टकराने की आवाज सुनाई दी, गाड़ी रोककर नीचे उतरने पर बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और हथियारों के बल पर डराकर पास के खेत में ले गए।कौशिक ने बताया कि बदमाशों ने खेत में पुरुषों को रस्सी से बांधने के बाद परिवार की एक महिला और उसकी 14 साल की बेटी से सामूहिक दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि विरोध करने पर पुरुषों के साथ मारपीट भी की गई और बदमाश परिवार से लूटपाट कर वहां से फरार हो गए।उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में अदालत में छह लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था।

एक देश-एक कारोबारी भाजपा का खतरनाक एजेंडा, न तो पीडीए की सुनी जाएगी न किसान की: अखिलेश यादव

» बीपी एस न्यूज

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा है कि भाजपा भविष्य में एक देश-एक कारोबारी का एजेंडा चाहती है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि एक देश-एक कारोबारी भाजपा सरकार का गोपनीय एजेंडा है। एक का धंधा, एक से चंदा के सिद्धांत पर चलते हुए भाजपा हर कारोबार को कुछ एक हाथों में ही समेट देना चाहती है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की भावना

घातक साबित होती है, फिर वो चाहे राजनीतिक क्षेत्र हो, आर्थिक या सामाजिक वर्चस्व का क्षेत्र। आज भाजपा सरकार जिस तरह से किसी न किसी बहाने से अन्य औद्योगिक घरानों को खत्म करके सभी आर्थिक गतिविधियों को अपने गिने-चुने लोगों के हाथों में देने के लिए आमादा है।

उन्होंने कहा कि एकाधिकारवादी कंपनियों के फायदे के लिए हर नियम-कानून बदला जाएगा। उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली की जाएगी। श्रमिकों का कम धन-अधिक श्रम के उत्पीड़नकारी फार्मूले के तहत और शोषण किया जाएगा। न किसान की सुनी जाएगी और न पीडीए समाज की।

सपा अध्यक्ष ने किया अरावली को बचाने का आह्वान

अखिलेश यादव ने एक संदेश में कहा है कि बची रहे जो अरावली, तो दिल्ली रहे हरीभरी। उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं है, बल्कि ये तो संकल्प होना चाहिए। मत भूलिए कि अरावली बचेगी तो ही एनसीआर बचेगा। अरावली को बचाना अपरिहार्य है, क्योंकि यह दिल्ली और एनसीआर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है या कहें कि एक कुदरती ढाल है। अरावली ही दिल्ली के ओझल हो चुके तारों को फिर से दिखा सकती है, पर्यावरण को बचा सकती है।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी को मिली जान से मारने की धमकी

» बीपी एस न्यूज

बरेली। बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी को अनजान नंबर से कॉल करके जान से मारने की धमकी दी गई। उनकी तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सर्विलांस सेल संबंधित नंबर की जांच कर रही है।मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कोतवाली के इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र गौतम को बताया कि वह कोतवाली के कासगरान मोहल्ले के निवासी और राष्ट्रवादी सुन्नी-सूफी बरेलवी विचारधारा के प्रचारक हैं। पिछले दिनों मौलाना महमूद मदनी ने जिहाद पर बयान दिया था। तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद मुर्शिदाबाद में बनाने का एलान किया था।

अपनी बात....

संपादकीय .....

जिम्मेदार व्यवहार रोकेगा रोड एक्सीडेंट

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का वह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी–सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं।

हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलत- हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है।

यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में हेलमेट न लगाने के कारण 54,568 लोगों की मौत हुई। वहीं सीट बेल्ट न लगाने से 16 हजार से अधिक यात्रियों की जान गई। इन हादसों की एक बड़ी वजह ऐसे अकुशल चालकों का होना भी था, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। आंकड़ों के अनुसार दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार चालकों में 33,827 ऐसे थे जिनके पास लाइसेंस नहीं थे। देश में बड़ी संख्या ऐसे चालकों की होती है, जो मेडिकली फिट नहीं होते। इसके अलावा जुगाड़ से ले–देकर लाइसेंस बनाने वालों की भी कमी नहीं है। वे वाहन चलाने की पर्याप्त योग्यता व अनुभव के बिना ही चालक बन बैठते हैं। हाल के वर्षों में नशे की हालात में वाहन चलाने का फैशन भी बना है। कई हादसों के बाद खुलासा हुआ कि फलां चालक नशे में धुत था। हालांकि, महानगरों व शहरों में नाका लगाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पकड़–धकड़ की जाती है।

लेकिन राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे पर ऐसी जांच बड़े पैमाने पर होती नजर नहीं आती। वहीं ऐसे चालकों की भी कमी नहीं है, जो फोन पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं। चालक का मानसिक रूप से शांत होना भी जरूरी है। हाल के दिनों में सड़कों की बेहतर स्थितियों में लोगों में रात में सफर करने का रुझान बढ़ा है। गाहे–बगाहे चालक को झपकी लगने पर दुर्घटना होने के समाचार अकसर सुनने में आते हैं। निश्चित रूप से सड़क हादसों के मूल में तकनीकी कारण और सड़कों के डिजाइन व गुणवत्ता की भी भूमिका होती है। लेकिन हमारी नियंत्रित गति, सावधानी व सजगता दुर्घटनाएं टाल भी सकती है।

नाम बदलने की नीति व नीयत के सवाल

विश्वनाथ सचदेव

किसी योजना में बदलाव का मतलब यही नहीं होना चाहिए कि उससे राजनीतिक स्वार्थ की गंध आये। देश-विदेश में गांधी की मूर्तियों के सम्मुख सर झुकाने से नहीं, गांधी के दिखाये मार्ग पर चलने से बदलाव आयेगा। गांधी का नाम हटाने की मानसिकता गांधी को नकारने का ही संकेत देती है।बचपन में दोस्तों के बीच बहस के दौरान हम अक्सर एक वाक्य बोला करते थे–'अगर मेरी बात ग़लत सिद्ध हो तो मेरा नाम बदल देना'। हम नाम की दुहाई क्यों देते थे, पता नहीं, पर इतना अवश्य पता है कि हमारी मित्र-मंडली में नाम बदलने वाली इस बात का महत्व बहुत माना जाता था। नाम बदलने वाली यह बात आज अचानक 'मनरेगा' के नाम बदलने की सरकार की घोषणा के संदर्भ में याद आ रही है। याद यह भी आ रहा है कि अंग्रेजी के महान साहित्यकार शेक्सपियर ने कभी कहा था, नाम में क्या रखा है, गुलाब को कोई भी नाम दे दें, उसकी गंध तो नाम बदलने से नहीं बदलेगी'।

वर्ष 2005 में केन्द्र में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने 'मनरेगा' नाम से एक योजना प्रारंभ की थी। 'मनरेगा' का पूरा नाम है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम। यह योजना नागरिकों को काम के अधिकार को दृष्टि में रख कर लागू की गयी थी, जिसमें किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को साल में कम से कम सौ दिन का रोज़गार उपलब्ध कराने की सरकार की गारंटी थी। जब यह योजना लागू हुई तो इस पर भ्रष्टाचार के बहुत आरोप लगे थे। फिर जब केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बनी तो प्रधानमंत्री ने इसे 'कांग्रेस की विफलताओं का जीता–जागता स्मारक' कहा था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं इसे बंद नहीं करूंगा। मेरी राजनीतिक सोच यह बताती है कि इसे कांग्रेस की विफलता के स्मारक के रूप में गाजे–बाजे के साथ बनाये रखना चाहिए'। सो, अपने ग्यारह साल के शासन में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे बनाये रखा। वस्तुत- यह एक ज़रूरत थी, और किसी भी लोक कल्याणकारी राज्य में ऐसी ज़रूरत को दरकिनार नहीं किया जा सकता। मनरेगा की यह योजना कितनी उपयोगी सिद्ध हो रही है अथवा इसमें पहले कितना भ्रष्टाचार था और अब कितना भ्रष्टाचार है, यह मुद्दा अलग चर्चा का विषय हो सकता है। आज इस बारे में चर्चा करने की आवश्यकता सरकार की इस घोषणा से उत्पन्न हो गयी है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इस योजना का नाम बदलना ज़रूरी हो गया है। सरकार ने निर्णय किया है कि अब इसे 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार' योजना कहा जायेगा॥ संक्षेप में 'जी रामजी विधेयक'। नाम बदलने के अलावा और भी कुछ बदलाव इस योजना में किए जा रहे हैं।

बदलाव पृथक बहस का विषय है, आज जो विवाद चल रहा है, वह यह है कि इस जन–उपयोगी योजना के नाम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम सरकार क्यों हटा रही है? इस संदर्भ में अब तक जो जवाब दिये जा रहे हैं, वे इस बात तक सीमित हैं कि आज़ादी के सौवें साल तक उन्नत भारत का सपना साकार करने के लिए ऐसा करना ज़रूरी है! कहा यह भी जा रहा है कि नाम से क्या फर्क पड़ता है, महात्मा गांधी की जगह 'पूज्य बापू' का ही तो नाम दिया जा रहा है, फिर इसमें तो गांधी जी के आराध्य राम का नाम भी है। ऐसे में नाम बदलने से किसी को शिकायत क्यों होनी चाहिए?शिकायत इसलिए है कि बात सिर्फ महात्मा गांधी की जगह बापू नाम करने तक ही सीमित नहीं है॥बात सरकार की नीयत की है। संसद में 'मनरेगा' की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी 'राजनीतिक सूझ–बूझ' का भी हवाला दिया था। आज योजना का नाम बदलने के पीछे इस राजनीतिक सूझ–बूझ की बात नहीं कही जा रही है, पर आरोप भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर नाम बदलने वाली राजनीति का ही लग रहा है।पिछले दस–बारह साल में नाम बदलने वाली इस राजनीति की अक्सर चर्चा होती रही है। कांग्रेस लगातार यह आरोप लगाती रही है कि उसकी योजनाओं के नाम बदलकर वर्तमान सरकार यश लूटना चाहती है। इस नीति पर भी चर्चा हो सकती है, पर आज आवश्यकता इस बात की है कि योजनाओं, जगहों, नगरों आदि के नाम बदलकर की जाने वाली राजनीति का औचित्य क्या है? पिछले दस–बारह साल की ही बात करें तो पता चलता है कि न जाने कितनी जगहों, सड़कों आदि के नाम बदलकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश होती रही है। और यह लाभ उठाने का काम सिर्फ भाजपा ही नहीं कर रही। अलग–अलग समय पर अलग–अलग सरकारें ऐसा करती रही हैं और अब तो जैसे यह परंपरा बन गयी है। राजधानी दिल्ली में न जाने कितनी सड़कों के नाम बदल दिये गये हैं। पर समझने की बात यह है कि हर बदलाव प्रगति नहीं होता।राजपथ को कर्तव्य पथ कर देने मात्र से इस पथ पर चलने वालों की मानसिकता नहीं बदल जायेगी। मानसिकता का परिष्कार करने के लिए समाज की सोच को बदलने की आवश्यकता है। अतार्किक परिवर्तनों से बात नहीं बनती। ठोस परिवर्तनों की आवश्यकता है। सांस्कृतिक नवीनीकरण का तर्क अथवा इतिहास की कथित भूलों की दुहाई देकर बदले जाने वाले नाम भी कुल मिलाकर संकुचित सोच को ही दर्शाते हैं। आवश्यकता इस सोच से उबरने की है। यह भी समझना ज़रूरी है कि सिर्फ नाम बदलने से स्थितियां नहीं बदल जातीं।'मनरेगा' योजना में यदि कोई बुराई थी तो इसलिए नहीं थी कि उसके साथ गांधी जी का नाम जुड़ा हुआ था और सिर्फ इसलिए नये नाम वाली 'मनरेगा' अच्छी नहीं हो जायेगी कि उसके साथ अब भगवान राम का नाम जुड़ेगा। जिस रामराज्य की दुहाई बापू दिया करते थे, वह तुलसी का वह शासन था जिसमें 'नाही दरिद्र कोई दुखी न दीना' की स्थिति थी जहां जनता को 'दैहिक, दैविक भौतिक तापों' से मुक्ति मिली हुई थी।

गायक किशोर कुमार के गीत बरसों आकाशवाणी पर नहीं बज पाए

लोकतान्त्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे खड़ा है समाज

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

जिस सॉफ्ट जिहाद स्टाइल नैरेटिव के सहारे दशकों से हमारा सीने जगत कुछ पाकिस्तान हिमायती तत्वों के साथ मिलकर कश्मीर, सेना और राष्ट्रवाद को बदनाम करता आया, वह अब टिक नहीं पाएगा क्योंकि दर्शक को वैकल्पिक, तथ्यपरक और आक्रामक भारतीय दृष्टिकोण मिल चुका है। विक्रम, आदित्य-यामी जैसे क्रिएटर्स ने साबित कर दिया कि बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाने के लिए बॉलीवुड की इस्लामिक प्रेम की कॉपी नहीं, राष्ट्रवाद साहस और साफ-साफ राष्ट्रवादी स्टैंड चाहिए; आर्टिकल 370 और कश्मीर फ़ाइल 2024 की बड़ी हिट साबित हुई और आगे की फिल्मों के लिए मिसाल बन गयी। अब लड़ाई केवल टिकट खिड़की की नहीं, भारत की वैचारिक स्वतंत्रता की है ङ्क और इस मोर्चे पर उर्दुवुड को वैचारिक दिवालिया घोषित करनें पर आमादा राष्ट्रवाद मैदान में है। आदित्य धार ने जो मूवी बनाई है उस पर फलस्तीन प्रेमी, पाकिस्तान और गल्फ कंट्रीज ने बैन लगा दिया और पाकिस्तान परस्त बॉलीवुड के डाउड गैंग के पेट में मरोड़ें उठ रही हैं पर धुरंदर नें आतंकवाद और पोल खोल के रख दिया ।

ऋतिक और शबाना को धुरंधर में पाकिस्तान भारत राजनीति पसंद नहीं, जैसे सारी फिल्में इन जैसों की पसंद की मोहताज नहीं हैं यह दर्शकों नें साबित किया । आदित्य धार और यामी गौतम ने 370, हक़ और उरी द सर्जिकल जैसी फिल्में कर जो गदर मचाया वह उर्दू वालों को कतई रास नहीं आया।

पाकिस्तान ने पहले भी जम्मू-कश्मीर से जुड़ी कड़ी नीतियों के बाद भारतीय फिल्मों पर बैन लगाकर अपना असली चेहरा दिखाया है, जबकि भारतीय फिल्म जगत का एक बड़ा वर्ग तब भी कारोबार के नुकसान पर विलाप

करता दिखा। यह वही लॉबी है जो भारतीय सेना पर बनी फ़िल्मों को फ्रप्रोपेगेंडाफ्र कहती है लेकिन पकिस्तान के नैरेटिव को सपोर्ट करने वाली फिल्मों को प्रोग्रेसिव सिनेमा बताती है।आश्चर्य की बात है कि बॉलीवुड से आई एक फिल्म धुरंधर ने दुनिया को हिला दिया है । पाकिस्तान इस कदर हिल गया कि उसके बुद्धिजीवी वर्ग ने तो पीएम नरेंद्र मोदी को धुरंधर फिल्म का स्क्रिप्ट रायटर , कहानीकार और यहाँ तक कि डायरेक्टर बता दिया । पाकिस्तान द्वारा फैलाई इस्लामिक ब्रदरहुड के चलते सभी छह अरब देशों ने फिल्म को बैन कर दिया ? जिन अन्य इस्लामिक देशों में फिल्में देखी जाती हैं उनसे भी पाकिस्तान ने धुरंधर का प्रदर्शन न करने की अपील की है । भारत , यूरोप और अमेरिका में धुरंधर धुंआधार चल रही है । देखना होगा कि पाकिस्तान की तड़फ का असर भारत के कुछ खास इलाकों पर कितना पड़ता है ? फिलहाल इंडियन थिएटर्स में धुरंधर ब्लॉकबस्टर फ़िल्म साबित हो रही है। इसमें कोई शक नहीं कि पाकिस्तान विश्वभर में फैलाए गए इस्लामिक आतंकवाद की जननी बन गया है । पाकिस्तान के नापाक इरादों को उसके नाम से बेपर्दा करने वाली यह पहली फिल्म है जिसने 100ङ्क सच्चाई बयान कर पाकिस्तान को पूर्णत: नंगा कर दिया है । धुरंधर फिल्म में आईएसआई की सच्चाई देख लोग हमेशा ही इस्लामिक विचार से भागते दिखे हैं । याद कीजिए कुछ समय पहले दी कश्मीर फाइल्स और दी केरला स्टोरीज नाम से दो सच्ची फिल्में आई थी ।

इन फिल्मों ने चूंकि इस्लाम के नाम पर की जा रही अत्याचार की सच्चाई को बेनकाब किया अत: अरब देशों ने इस्लामिक ब्रदरहुड के नाम पर उन्हें भी प्रतिबंधित किया । उरी फिल्म पर भी प्रतिबंध लगा । खुद हमारे देश में ही इंडी शासित राज्यों में बंगाल की हकीकत दिखाने वाली बंगाल फाइल्स पर प्रतिबंध लगा । अन्य फिल्में भी कुछ राज्यों ने राजनीतिक कारणों से प्रदर्शित नहीं की । इंदिरा गांधी के जीवन से साम्य रखने वाली प्रसिद्ध फिल्म आंधी का प्रदर्शन इंदिरा सरकार ने रुकवा दिया । प्रख्यात शायर साहिर की प्यासा फिल्म में आई प्रसिद्ध नज़्म फ्र वो सुबह कभी तो आएगी फ्र आकाशवाणी पर नहीं बजने दी गई । संजय गांधी के कार्यक्रम में गाने से मना किया तो विख्यात गायक किशोर कुमार के गीत बरसों आकाशवाणी पर नहीं बज पाए ? आज वन्देमातरम ना गाने को लेकर विपक्ष लामबंद है , ऐसा भी होता है । सत्ताएं भले कितनी ताकतवर दिखाई दें , सच्चाई के प्रदर्शन से वे कायरों की तरह डरती हैं । आश्चर्य की बात है पिछले कार्यकाल में आधिकारिक मंच से पहली बार इस्लामिक आतंकवाद शब्दों को उच्चारित करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब खुद आतंकवाद को गले लगा रहे हैं । भारत के बजाय आसिम मुनीर और शाहबाज उन्हें ज्यादा प्रिय लगने लगे पर ऑस्ट्रेलिया में दो पाकिस्तानीयों द्वारा भीषण गोलिबारी नें आतंकवाद के चेहरे से फिर नकाब हटा दिया है। इस मामले में पुतिन लाज़वाब हैं । तुर्केमेनिस्तान में मिलने आए शाहबाज शरीफ को पुतिन ने 40 मिनट बैठाए रखा और फिर भी मिले नहीं । आतंकवाद का सच्चा और लगातार दर्द जिन्होंने झेला है वे भारत और इजरायल ही हैं ।आज आर्टिकल 370 और उरी जैसी फ़िल्में उनकी वैचारिक दुकान पर सीधा ताला लगा रही हैं, इसलिए ट्रोल आर्टिकल, बहिष्कार की कॉल और व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी वाले आरोपों की बौछार शुरू हो चुकी है। यह वही दंपति है जिन्होंने उर्दूवुड की पूरी फ्रकहानीफ्र निगल ली है और अब उसी के भीतर से उसकी सड़ी हुई बदबू बाहर निकाल रहे हैं।

पाकिस्तान-परस्त नैरेटिव पर पलने-वाले फिल्मी भाँडों को पहली बार असली वैचारिक चुनौती मिली है, इसलिए उनकी भीतरी डकारें घबराहट में बाहर आ रही हैं। आदित्य धार का असली अपराध यह है कि उन्होंने सेना, राष्ट्रवाद और प्रतिरोध को ग्लैमराइज़ नहीं, बल्कि ईमानदारी से दिखा दिया। 2019 की फिल्म फ्रउरी - द सर्जिकल स्ट्राइकफ्र ने आतंकवाद के अड्डों पर भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक को ऐसे तेवर के साथ परदे पर उतारा कि पूरी फ्रअमन की आशाफ्र लॉबी की नींद हराम हो गयी। आज वही व्यक्ति फ्रआर्टिकल 370फ्र जैसे राजनीतिक एक्शन थ्रिलर का लेखक-निर्माता बनता है, जो जम्मू-कश्मीर से अलगाववादी विशेष दर्ज़े की विदाई को राष्ट्रहित की निर्णायक विजय के रूप में स्थापित करता है। उर्दुवुड गैंग को सबसे बड़ा डर यही है कि आम दर्शक अब उनके धुले-धुलाए फ्रदोनों देशों के बीच मोहब्बतफ्र वाले एजेंडे के पार जाकर भारत के फैसलों को समझने लगे हैं। यह वही बॉलीवुड है जहाँ आज तक कश्मीर की कहानी में आतंकी फ्रभटके हुए नौजवानफ्र, सेनाएँ फ्रदमनकारीफ्र और पाकिस्तान फ्रबेचारा पड़ोसीफ्र दिखाया जाता रहा; वहाँ यामी का किरदार सीधे-सीधे आतंक-समर्थन की जड़ पर वार करता है। यामी-आदित्य की जोड़ी ने फ्रउरीफ्र, फ्रआर्टिकल 370फ्र और आने वाली परियोजनाओं के जरिए यह साफ संदेश दिया है कि वे करियर की कीमत पर भी राष्ट्रहित के पक्ष में खड़े रहेंगे।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

कानपुर ग्रीन पार्क में 22 से 24 दिसम्बर तक आयोजित होगा सांसद खेल महोत्सव

कानपुर। अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. राजेश कुमार ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा निर्धारित मंशा के अनुरूप जनपद में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 22 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2025 तक किया जाएगा। इस महोत्सव के अंतर्गत कुल 11 खेल विधाओं यथा कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबाल, फुटबॉल, जूडो, बैडमिन्टन, भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, खो-खो, रस्साकशी, शतरंज के साथ-साथ क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन कराया जाएगा। जनपद की समस्त विधानसभाओं में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन पूर्व में पूर्ण किया जा चुका है।

जनपद स्तर पर आयोजित सांसद खेल महोत्सव/स्पर्धा में विभिन्न विधानसभाओं की प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ियों के मध्य प्रतिस्पर्धा कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त सांसद खेल महोत्सव के पोर्टल पर पंजीकृत खिलाड़ी भी इस महोत्सव में प्रतिभाग करेंगे।उक्त क्रम में सांसद खेल महोत्सव/स्पर्धा का आयोजन ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर में किया जाएगा। खेल विधाओं के अनुसार प्रतियोगिताएं ग्रीन पार्क के विभिन्न खेल स्थलों पर आयोजित होंगी। खो-खो, रस्साकशी एवं एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं ग्रीन पार्क मेन ग्राउण्ड में संपन्न कराई जाएंगी, जबकि शतरंज प्रतियोगिता ग्रीन पार्क बैडमिन्टन हॉल में आयोजित होगी।

कबड्डी प्रतियोगिता ग्रीन पार्क क्रिकेट ग्राउण्ड में, क्रिकेट प्रतियोगिता ग्रीन पार्क क्रिकेट ग्राउण्ड एवं क्रिकेट बॉक्स में तथा बैडमिन्टन एवं कुश्ती की प्रतियोगिताएं ग्रीन पार्क बैडमिन्टन हॉल में आयोजित की जाएंगी। जूडो प्रतियोगिता ग्रीन पार्क जूडो हॉल तथा भारोत्तोलन प्रतियोगिता ग्रीन पार्क भारोत्तोलन हॉल में संपन्न कराई जाएगी।एथलेटिक्स, खो-खो सहित चयनित खेल विधाएं सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्गों में आयोजित की जाएंगी, जबकि फुटबॉल, वॉलीबाल एवं क्रिकेट प्रतियोगिताएं पुरुष एवं महिला वर्ग में कराई जाएंगी। दिनांक 23 दिसम्बर 2025 को फुटबॉल, वॉलीबाल एवं क्रिकेट की प्रतियोगिताएं ग्रीन पार्क के संबंधित खेल मैदानों पर आयोजित होंगी तथा फाइनल मुकाबले ग्रीन पार्क मेन ग्राउण्ड एवं क्रिकेट ग्राउण्ड में कराए जाएंगे। दिनांक 24 दिसम्बर, 2025 को ग्रीन पार्क मेन ग्राउण्ड में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा।समस्त प्रतियोगिताओं के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, ग्रीन पार्क के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग एवं खेल संघों द्वारा नामित पीटीआई/निर्णायकगण तथा युवा कल्याण विभाग से नामित अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात रहेंगे।उक्त समस्त कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु भानू प्रसाद, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सभी संबंधित अधिकारी नोडल अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संपादन सुनिश्चित करेंगे, जिसमें जिला युवा कल्याण अधिकारी द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

ईंट से पिता ने दो बेटों पर किया जानलेवा हमला, फिर जहर खाकर की खुदकुशी, एक बेटे की हुई मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर के अरौल थाना क्षेत्र के बाजार में एक व्यापारी ने अपने 2 बेटों पर ईंट से हमला कर दिया, जिसके बाद उन्होंने खुद भी जहर खा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को अस्पताल भेजा। अस्पताल में डॉक्टरों ने व्यापारी और उनके छोटे बेटे को मृत घोषित कर दिया, जबकि बड़े बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अरौल कस्बे में शुक्रवार सुबह एक पिता ने ही अपने परिवार को खत्म कर दिया। सराफा दुकानदार अजय कटियार ने रोज की तरह तड़के दरवाजे पर झाड़ू लगाई, ष्टष्टअङ्क में सामान्य दिखते रहे, लेकिन अंदर चल रही उथल-पुथल आसपास के लोगों को नजर नहीं आई। तीन साल पहले व्यापारी की पत्नी

अलका की संदिग्ध मौत हो गई थी। जिससे अजय काफी आहत था और पूरी तरह टूट चुका था।

सुसाइड नोट में क्या लिखा?

मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें, व्यापारी अजय ने अपनी पीड़ा लिखी है। नोट में लिखा था कि, बच्चे उतने ही पैदा करने चाहिए जिनकी सही परवरिश कर सको, अब मैं इन्हें किसके सहारे छोड़ूं। व्यापारी अजय को लगा कि आत्महत्या के बाद बच्चे दर दर की ठोकर खाएंगे। इसी वजह से पहले दोनों बच्चों का सिर ईंट से कुचला फिर खुद फंदा लगा जान दे दूं, लेकिन बाद में उसने जहरीला पदार्थ पी लिया।

पिता ने ही परिवार को खत्म किया

फिलहाल एक बच्चा जिंदगी से जूझ रहा है, पिता और एक मासूम बच्चे की जान चली गई। यह घटना मानसिक स्वास्थ्य, अकेलेपन और समय पर मदद न मिलने जैसी दिक्कतों को दिखाती है।

ज्यादा मिली जानकारी के मुताबिक, अरौल निवासी सराफा दुकानदार अजय कटियार (45 वर्ष) ने बेटे शुभ (7 साल) और रुद्र (12 साल) को ईंट से कुचलकर मारने की कोशिश की। एक बेटे की मौत हो गई, दूसरा बेटा बच गया। व्यापारी ने खुद जहरीला पदार्थ पीकर खुदकुशी कर ली।

लोगों ने घर अंदर से बंद देखा तो पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद देखा तो तीनों पिता और बेटे लहूलुहान पड़े थे। इसके बाद डॉक्टरों ने अजय और बेटे शुभ को मृत घोषित कर दिया। वहीं रूद्र की जान जाने से बच गई। फिलहाल अस्पताल में दूसरे बेटे का इलाज चल रहा है।

बाबू पुरवा साइबर सेल द्वारा पीड़ितों का खोया मोबाइल फोन लौटाकर किया गया सराहनीय कार्य

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाबू पुरवा थाना प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में साइबर सेल पर तैनात उ0नि0 रमेश चौधरी टीम के साथ एक हफ्ते के अन्दर वर्षों पहले खोये हुए 05 फोन उनकी आईएमईआई रन होने के उपरांत बरामद कर लिए और सम्बंधित पीड़ित/पीड़िता को अवगत कराते हुए उनका खोया हुआ मोबाइल फोन उन्हें वापस लौटा दिया।

अपना 1 साल पहले खोया हुआ मोबाइल फोन वापस पाकर बहुत ही खुश हुए। पीड़ित बोले कि हमने तो आशा ही छोड़ दी थी कि हमारा खोया हुआ मोबाइल फोन हमें दोबारा मिल पाएगा। सभी ने अपना खोया हुआ मोबाइल फोन पाकर उपनिरीक्षक रमेश चौधरी की सराहना की।

खोया फोन वापस पाने वाले पीड़ित/पीड़िता का विवरण

1. अजय साहू नि0 बगाही थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर मो0 9696144088 मोबाइल माडल redmi note 10
2. शोभा सोनकर नि0 बगाही थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर मो0 7380638691 मोबाइल माडल oppo cph2637
3. इरशाद अहमद नि0 बेगमपुरवा थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर मो0 7271825113 मोबाइल माडल realme rm43870
4. एहसान ऊल हक नि0 बेगमपुरवा थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर मो0 7652037280 मोबाइल माडल honor 9n
5. रामनिवास नि0 नयापुरवा थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर मो0 6307512945 मोबाइल माडल realme rm4 2151

एससी-एसटी आयोग के सदस्य को नगर निगम में किसी ने नहीं किया रिसीव, भटकते रहे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने नगर निगम प्रशासन पर प्रोटोकॉल के उल्लंघन और सामाजिक भेदभाव के आरोप लगाए हैं। मंगलवार को नगर निगम पहुंचे आयोग के सदस्य ने कहा कि आगमन की तीन दिन पूर्व सूचना और प्रोटोकॉल के बावजूद उन्हें रिसीव करने कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। उन्हें नगर निगम कार्यालय परिसर में इधर-उधर भटकना पड़ा। घंटों रुकने के बावजूद किसी ने उनसे पानी तक नहीं पूछा। इस संबंध में उनका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है।

कुंडे ने नगर निगम में कार्यरत बाल्मीकि समाज के कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। उन्होंने कहा कि वह अनुसूचित जाति-जनजाति समाज से आते हैं और इसी कारण उनके साथ उपेक्षा की गई।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी की महापौर होने के बावजूद इस तरह का व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि यह मामला केवल प्रोटोकाल का नहीं बल्कि सम्मान और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह पूरे प्रकरण की शिकायत अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग में दर्ज कराएंगे और संबंधित अधिकारियों से लिखित जवाब-तलब किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर जांच भी कराई जाएगी।

ट्रांसफर पोस्टिंग के नाम पर वसूली का लगाया आरोप

रमेश चंद्र कुंडे ने नगर निगम में कार्यरत वाल्मीकि समाज के कर्मचारियों की स्थिति पर भी सवाल उठाए। आरोप लगाया कि ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर कर्मचारियों से वसूली की जा रही है। पेंशन निकालने, भर्ती के नाम पर भी वसूली हो रही है। यह न केवल प्रशासनिक अनियमितता है, बल्कि सामाजिक शोषण का भी मामला है। उन्होंने कहा कि इस बिंदु को भी आयोग गंभीरता से लेगा। पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी।

संयुक्त नगर आयुक्त की थी जिम्मेदारी

अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे के नगर निगम आगमन पर स्वागत की जिम्मेदारी संयुक्त नगर आयुक्त संतोष यादव को दी गई थी। ऐसा क्यों हुआ इसके लिए संयुक्त नगर आयुक्त से स्पष्टीकरण मांगा गया है। - अर्पित उपाध्याय नगर आयुक्त

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन टीम ने बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स में छापा मारओरामाइन डाई से रंगा 372 क्विंटल भुना चना किया जब्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर ।सहायक आयुक्त (खाद्य सेकेण्ड) संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में कानपुर नगर में बड़ी कार्रवाई की गई। सूचना के आधार पर एफएसडीए कानपुर नगर की टीम द्वारा बाबा बैजनाथ ट्रेडर्स, बिनगवां में छापा मारा गया। जांच के दौरान वहां संग्रहीत 1240 बोरा भुना चना (अनुमानित मूल्य ?33,48,000/-) की प्रारंभिक जांच की गई, जिसमें भुना चना ओरामाइन डाई से रंगा हुआ पाया गया ।खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को देखते हुए मौके पर नमूना संग्रह कर विधिक प्रक्रिया के अंतर्गत सम्पूर्ण स्टॉक को जब्त कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट आने के पश्चात नियमानुसार की जाएगी।

27 करोड़ में बेची जमीन मुआवजा दे रहे दो लाख अधिकारियों से महिलाओं की झड़प

कानपुर। कल्याणपुर आवास विकास तीन कम्युनिटी सेंटर के पास सोमवार को करोड़ों की पौने चार बीघे जमीन पर आवास विकास परिषद ने बुलडोजर चलवा कर कब्जा दिलाया था। मंगलवार को आवास विकास के अधिकारी जमीन पर बाउंड्री निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान खुद को भू स्वामी बताने वाली महिलाओं ने जमकर हंगामा काटा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि हमारी पुश्तैनी जमीन 27 करोड़ में बेच दी है परिवार को दो लाख रुपए मुआवजा दिया जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि इंसाफ के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे।

कल्याणपुर आवास विकास तीन निवासी सूरज प्रसाद शुक्ला ने बताया कि यह उनकी पुश्तैनी जमीन है। तीन भाइयों स्वर्गीय भगवती प्रसाद राधे श्याम शुक्ला के नाम हैं। परिवार की महिलाओं सुषमा शुक्ला, रेखा शुक्ला, पूनम शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में जमीन उनके परिवार का कब्जा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आवास विकास उन्हें सर्किल रेट से भी कम मुआवजा दे रहा था। वर्ष 1982 के आधार पर 45 रूपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से दो लाख रुपए मुआवजा देने की बात की जा रही है। जबकि जमीन 27 करोड़ रूपये में भारत पेट्रोलियम को बेच दिया गया है।

नरवल तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन, सुनी शिकायतें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में तहसील नरवल में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुल 159 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 11 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। लगभग एक दर्जन से अधिक प्रकरणों में संबंधित विभागों की संयुक्त टीम का गठन किया गया है, जो स्थल पर जाकर समस्या का परीक्षण करते हुए समाधान सुनिश्चित करेगी। जिलाधिकारी ने शेष लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए संपूर्ण समाधान दिवस से संबंधित शासनादेश के अंतर्गत निर्धारित सात दिवस की समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

करबिगवां, नरवल निवासी बउवन उर्फ रणजीत सिंह पुत्र महावीर सिंह द्वारा पड़ोसी के साथ नाली एवं जल निकासी को लेकर उत्पन्न विवाद के संबंध में जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा एवं एसीपी अभिषेक पांडेय द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थिति का परीक्षण किया गया। मौके पर प्रथम पक्ष राकेश सिंह एवं बउवन उर्फ रणजीत सिंह पुत्र महावीर सिंह तथा द्वितीय पक्ष सीता देवी पत्नी सत्येंद्र सिंह के बीच रास्ते पर नाली निर्माण एवं जल निकासी को लेकर विवाद पाया गया। प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में दोनों पक्षों एवं गांव के संभ्रांत नागरिकों के बीच आपसी सहमति से समाधान निकाला गया। समझौते के अनुसार प्रथम पक्ष राकेश सिंह द्वारा निजी व्यय से पक्की नाली का निर्माण कर उस पर पटिया रखवाई जाएगी, जबकि द्वितीय पक्ष सीता देवी द्वारा संबंधित रास्ते को छोड़ते हुए अपनी दीवार का निर्माण किया जाएगा। यह सहमति गांव के संभ्रांत नागरिकों की उपस्थिति में लिखित रूप से स्वीकार की गई ।सरसौल निवासी जसवंत सिंह द्वारा आयुष्मान कार्ड में त्रुटि निवारण से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था, जिस पर तत्काल सुधार कर निस्तारण किया गया। इसी प्रकार महाराजपुर निवासी आशुतोष पाण्डेय द्वारा ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी कराने हेतु दिए गए प्रार्थना पत्र का भी मौके पर निस्तारण किया गया और प्रार्थी कार्यवाही से संतुष्ट रहे ।कमालपुर, नरवल निवासी बन्द्रशेखर के अमलदरामद से संबंधित प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर खतौनी उपलब्ध करा दी गई।

दिए गए प्रार्थना पत्र पर आदेश पारित कर उन्हें अवगत कराया गया। परदेवनपुर निवासी शीला शुक्ला के अमलदरामद संबंधी प्रकरण में भी खतौनी उपलब्ध कराते हुए निस्तारण किया गया।

सिकठियापुरवा निवासी रेनू देवी के जाति प्रमाण पत्र से जुड़े प्रकरण, बांबीभितरी निवासी अमित कुमार के नाम संशोधन तथा डोमनपुर निवासी राघवेन्द्र के निवास प्रमाण पत्र से संबंधित प्रकरणों का भी मौके पर निस्तारण किया गया।

सभी प्रार्थियों ने की गई कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया ।प्राप्त प्रकरणों में सर्वाधिक 84 प्रकरण राजस्व विभाग से संबंधित रहे। इसके अतिरिक्त विकास विभाग से 15, पुलिस विभाग से 10, चकबंदी से 8, समाज कल्याण से 5, विद्युत एवं जल आपूर्ति विभाग से 4-4, वन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग से 3-3 प्रकरण प्राप्त हुए। शेष प्रकरण अन्य विभागों से संबंधित थे। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय तुलसियापुर एवं आर0आर0सी0 सेंटर परसौली का किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी कानपुर द्वारा विकासखण्ड बिधनू के अन्तर्गत ग्राम पंचायत परसौली में संचालित प्राथमिक विद्यालय तुलसियापुर एवं आर0आर0सी0 सेंटर परसौली का निरीक्षण किया गया ।प्राथमिक विद्यालय तुलसियापुर प्रधानाध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि इस विद्यालय मेंशैक्षिक सत्र 2025-26 में पंजीकृत 98 छात्र-छात्राओं में से 85 छात्र-छात्राओं को डी0बी0टी0 के माध्यम सेयूनीफार्म कय किये जाने हेतु धनराशि प्रेषित की गई है। निर्देश दिये गये कि अवशेष पंजीकृत समस्त छात्र-छात्राओं कों ड्रेस कोड के अनुसार यूनीफार्म कय किये जाने हेतु शत-प्रतिशत धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से प्राप्त कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रधानाध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि शीतऋतु के दृष्टिगत विद्यालय में छात्रा-छात्राओं को बैठने हेतु फर्नीचर की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिसके हेतु सम्बन्धित ग्राम प्रधान को निर्देश दिये गये कि पंजीकृत छात्र संख्या के आधार पर फर्नीचर की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। निरीक्षण के समय पाया गया कि विद्यालय में कुल 05 कक्षाएं संचालित होती है जिसमें एक ही कक्ष में 02 कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है जिससे बच्चो के शिक्षण कार्य में असुविधा हो रही है। इस सम्बन्ध में प्रधानाध्यापक द्वारा अवगत कराया गया कि अतिरिक्त कक्षों के निर्माण हेतु प्रस्ताव जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय को प्रेषित किया गया है किन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि अतिरिक्त 02 कक्षों के निर्माण कार्य कराये जाने हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

ग्राम पंचायत परसौली विकासखण्ड बिधनू में संचालित आर0आर0सी0 सेंटर के निरीक्षण के समय आर0आर0सी0 सेंटर में एकत्र किये गये कूड़े का एकत्र किये जाने हेतु वर्गीकृत ब्लॉक्स का निर्माण कार्य पूर्ण पाया गया। सम्बन्धित ग्राम प्रधान द्वारा अवगत कराया गया कि आर0आर0सी0 सेंटर में ग्राम के लगभग 150 घरों से कूड़े का उठान किया जा रहा है जिसके हेतु ग्रामवासियों द्वारा निर्धारित शुल्क भी माहवार दिया जा रहा है, किन्तु ग्राम पंचायत में पर्याप्त बजट न होने के कारण कूड़े के उठान हेतु ई-रिक्शा का कय नहीं किया जा पा रहा है। ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया कि आर0आर0सी सेंटर का सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु ई-रिक्शा का कय किया जाये जिससे अधिक से अधिक घरों से कूड़े का उठान सुनिश्चित किया जा सकें। निरीक्षण के समय पाया गया कि ग्रामवासियों द्वारा आर0आर0सी0 सेंटर के बाहर गोबर इकट्ठा किया गया है, जबकि आर0आर0सी सेंटर में वर्मी कम्पोस्ट ब्लॉक्स का निर्माण कराया गया है। निरीक्षण के समय खाद हेतु निर्मित किये गये गड्ढे क्षतिग्रस्त पाये गये। सहायक विकास अधिकारी (पं0) को निर्देश दिये गये कि क्षतिग्रस्त खाद के गढ्?ढों का मरम्मत कराते हुए खाद निर्माण में प्रयोग में लाया जाना सुनिश्चित करें।

बाबा बिरयानी, उसके बेटे समेत छह पर 2.86 करोड़ का चमड़ा हड़पने की एफआईआर दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने चमड़ा खरीदने के बाद रकम नहीं दी और टेनरी भी बेच दी। पीड़ित ने जब भुगतान करने का दबाव बनाया तो आरोपियों ने धमकाया। पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर के आदेश पर जाजमऊ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

जाजमऊ थाना क्षेत्र में एक चमड़ा कारोबारी ने बाबा बिरयानी, उसके बेटे, गुडविल टेनरी के मालिक समेत छह लोगों पर 2.86 करोड़ कीमत का चमड़ा हड़पने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़ित ने रकम मांगने पर धमकाने का भी आरोप लगाया है।

डिफेंस कॉलोनी सी-ब्लॉक निवासी शमशेर आलम चमड़ा कारोबारी हैं। वह अपनी कंपनी नूर हाईड के जरिये कच्चा चमड़ा बेचने का कारोबार

करते हैं। शमशेर ने पुलिस को बताया कि मुख्तार अहमद उर्फ बाबा बिरयानी व उसके बेटे महफूज ने गुडविल टेनर्स के मालिक एमराल्ड गुलिस्ता निवासी रईस आलम लारी उसके बेटे मो. रहमान उर्फ सद्दाम, समीर आलम, सरीम आलम व आलम उर्फ सन्नी से मिलवाया। धमकाते हुए सारा कच्चा चमड़ा इन लोगों को बेचने के लिए कहा। डर के चलते उन्होंने 2016 से 2024 तक करीब 2.86 करोड़ रुपये का चमड़ा इन लोगों को दिया जब रुपये मांगे तो सभी लोगों ने जान से मारने की धमकी देते हुए माल भेजते रहने के लिए कहा।

रईस आलम की मौत के बाद उन्हें लगा कि सभी लोग मिलकर टेनरी को बेच सकते हैं। आरोपी टेनरी बेच न सके इसलिए उन्होंने कोर्ट में एक वाद दाखिल कर दिया। इसके बावजूद आरोपियों ने फर्जी तरीके से गुडविल टेनरी को बेच दिया और सारा पैसा आपस में बांट लिया। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत जाजमऊ थाने में की। कार्रवाई न होने पर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से शिकायत की। थाना प्रभारी जाजमऊ जितेंद्र सिंह ने बताया कि बाबा बिरयानी, उसके बेटे समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दे भगाया था

शमशेर आलम ने बताया कि ऑपरेशन महाकाल की जानकारी होने पर जब वह 17 अक्टूबर 2025 को दोबारा रुपया मांगने बाबा बिरयानी के प्रतिष्ठान गए तो उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए भगा दिया गया।

नई सड़क हिंसा का मुख्य आरोपी है बाबा बिरयानी

नई सड़क में तीन जून 2022 को हुए दंगे के आरोपी मुख्तार अहमद और बाबा बिरयानी है। पीड़ित का आरोप की फैक्टरी बेचे जाने के बाद बाबा बिरयानी उसके बेटे मुख्तार समेत अन्य आरोपियों ने रकम ब्लैक मनी में निवेश कर दी है। वहीं, बाबा बिरयानी के बेटे मुख्तार की दुबई या अन्य विदेश में भागने की आशंका है जिस एंगल पर भी पुलिस जांच कर रही है।

एसटीएफ ने 25 हजार के इनामी आशीष शुक्ला को किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। फर्जी शैक्षिक दस्तावेजों के आधार पर वकालत करने के मामले में फरार चल रहे अधिवक्ता आशीष शुक्ला को एसटीएफ ने नैनीताल से पकड़ा है। उसके खिलाफ कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी है। उसे गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। वह कोर्ट से जमानत कराने के बाद से गायब था। उस पर 25 हजार का इनाम था। अधिवक्ता अखिलेश दुबे मुक्ति मोर्चा में भी शामिल रहा। उसका कुछ दिन पहले भाजपा नेता भूपेश अवस्थी के वायरल वीडियो के जवाब में वीडियो जारी हुआ था।

बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह ने कोतवाली में अधिवक्ता आशीष शुक्ला के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उस पर फर्जी शैक्षिक दस्तावेजों के आधार पर विधि स्नातक की डिग्री लेकर वकालत करने का आरोप था। कोतवाली पुलिस ने आशीष शुक्ला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी। अधिवक्ता को इस शर्त पर अग्रिम जमानत मिल गई कि अगर आवेदक मूल शैक्षिक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए तलब होता है या फिर उसे नोटिस भेजा जाता है तो वह जांच अधिकारी को दस्तावेज दिखाएगा। आशीष शुक्ला ने अग्रिम जमानत की शर्तों का पालन नहीं किया जिससे पुलिस की अपील पर उसकी अर्जी खारिज हो गई। कोतवाली पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध विनोद कुमार सिंह ने बताया कि एसटीएफ उसे शहर लेकर आ रही है। गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भूपेश अवस्थी की तलाश में दबिश जारी

पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें भूपेश अवस्थी की तलाश में जुट गई हैं। उनके खिलाफ महिला कारोबारी ने 15 साल पुराने मामले में पुर्नविवेचना की मांग की थी। कोर्ट के आदेश के बाद से दोबारा जांच शुरू हो गई है। भूपेश अवस्थी समेत अन्य की तलाश जारी है। कुछ जगहों पर दबिश भी दी गई थी।

सुनील बजाज, डॉ. दिवाकर मिश्र भाजपा प्रांतीय परिषद में मनोनीत

कानपुर। भाजपा ने शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. दिवाकर मिश्र और भाजपा कानपुर उत्तर के पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील बजाज को पार्टी की प्रांतीय परिषद में मनोनीत किया है। ये दोनों चयन कानपुर उत्तर जिले के लिए हुए, जबकि कानपुर दक्षिण जिले से रघुराज शरण गुप्ता को प्रांतीय परिषद में शामिल किया गया है। यह जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि डॉ. दिवाकर मिश्र बीएनएसडी इंटर कॉलेज में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं।शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। सुनील बजाज कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष हैं। तीनों नेताओं के मनोनयन पर जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह और ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने बधाई दी है। इनके साथ ही पार्टी ने कानपुर देहात से राहुल देव अग्निहोत्री और विजय कुमार सोनी को भी प्रांतीय परिषद के लिए मनोनीत किया है।

तौधकपुर में गरजा बुलडोजर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। केडीए प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को तौधकपुर में बुलडोजर चलाकर 5.50 करोड़ रुपये की जमीन खाली कराई। विकास प्राधिकरण जोन-4 की प्रवर्तन प्रभारी अर्चना शर्मा ने बताया कि बिनगवां और तौधकपुर में अवैध रूप से प्लॉटिंग कर बनाई गईं बाउंड्री तोड़े कर जमीन खाली कराई। तौधकपुर में कार्रवाई के दौरान लोगों ने विरोध किया।उन्हें समझाकर शांत कराने के बाद करीब पांच हजार वर्ग मीटर जमीन खाली कराई। कार्रवाई में भूमि बैंक के विशेष कार्याधिकारी बृजेंद्र उपाध्याय, अमीन अंकुर, सेन पश्चिमपारा थाने का पुलिस बल मौजूद रहा।

हादसे में मृत युवक का शव रख परिजनों ने बिठूर कस्बा रोड किया जाम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के बिहारीगंज निवासी आदित्य गिरी (18) की सड़क हादसे में मौत के बाद बुधवार को इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। सोमवार देर रात आदित्य की बाइक सड़क किनारे लगे ईंट के चट्टे से टकरा गई थी। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर लाया गया तो गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव बिठूर कस्बे की सड़क पर रखकर जाम लगा दिया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि सड़क पर बिना किसी संकेतक के ईंटें रखी गई थीं जिससे यह हादसा हुआ। ईंट मंगवाने वाले व्यक्ति की लापरवाही से आदित्य की मौत का आरोप लगाया। मंगलवार को भी इसी को लेकर परिजन आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग कर रहे थे।

बुधवार को परिजनों ने जाम लगाकर हंगामा किया। करीब पौन घंटे तक चले प्रदर्शन से सड़क पर आवागमन बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बिठूर और चौबेपुर थाने का फोर्स मौके पर पहुंचा।

पुलिस के समझाने पर परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रेमनारायण विश्वकर्मा ने बताया कि परिजनों से तहरीर देने के लिए कहा गया है लेकिन अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रदर्शन के लिए लखनऊ जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने हिरासत में लिया

कानपुर। लखनऊ प्रदर्शन के लिए जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कांग्रेस नगर ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला को पुलिस ने जाजमऊ चुंगी चौराहे से हिरासत में लिया। वहीं, महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता को छावनी स्थित उनके आवास पर अरेस्ट कर लिया। महानगर अध्यक्ष ने इसे नौटंकी और भाजपा सरकार की हताशा बताया है। कहा कि अब गुरुवार को भाजपा के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। वहीं, जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार ईडी, सीबीआई और पुलिस का दुरुपयोग कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ना चाहती है। संदीप के साथ डेढ़ दर्जन कांग्रेसियों को हिरासत में लिया गया था। कुछ देर बाद सभी को रिहा करके कांग्रेस कार्यालय भेज दिया गया।

पोषक अनाजों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज एक दिवसीय पोषक अनाजों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री अन्न मानव स्वास्थ्य, मृदा स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत ही लाभकारी है तथा यह जलवायु अनुकूल भी हैं। उन्होंने कहा की श्रीअन्न जैसे ज्वार, बाजरा,रागी, सावा, कोदों आदि को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

उन्होंने बताया कि श्रीअन्न मोटे अनाजों का एक समूह है, जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी, कंगनी, और सांवा, जो पोषक तत्वों (फाइबर, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन) से भरपूर होते हैं और ग्लूटेन-मुक्त होते हैं, जिससे ये स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं और इन्हें सुपरफूड भी कहा जाता है, जिन्हें सरकार बढ़ावा दे रही है। निदेशक शोध डॉ आरके यादव ने कहा कि देश में श्री अन्न (मोटे अनाज) का रकबा लगभग 69.70 लाख हेक्टेयर (2023-24) है, जिसमें उत्तर प्रदेश दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

डॉ विजय यादव विभाग अध्यक्ष अनुवांशिकी विभाग ने कहा की यह सभी अनाज उच्च पोषणमानयुक्त होते हैं जो शरीर में काफी लाभकारी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया।कार्यक्रम आयोजक सचिव डॉ श्वेता ने श्रीअन्न फसलों के बारे में विस्तार से सभी को जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन शोध छात्रा वैष्णवी ने किया।कार्यक्रम में छात्र छात्राओं एवं फैकेल्टी सदस्यों को प्रमाण पत्र की वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में डॉक्टर लोकेंद्र, डॉ सोमवीर,डॉ सीमा सोनकर सहित अन्य प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

धनराशि ट्रांसफर की लिमिट दो लाख से बढ़ाकर 20 लाख की, अगले दिन अस्पताल संचालक के खाते से छह लाख गायब

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर में अस्पताल संचालक को ओटीपी भेजा गया। उन्होंने इसके बारे में बैंक में फोन कर बताया। उसके बाद खाते से छह लाख रूपये निकल गए। बैंक ने सोमवार को धनराशि ट्रांसफर की लिमिट दो लाख से बढ़ाकर 20 लाख की थी अगले ही दिन पैसा गायब हो गया। संचालक जब मंगलवार को पैसा निकालने बैंक पहुंचे तब उन्हें ठगी की जानकारी हुई। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। कल्याणपुर पुराना शिवली रोड स्थित प्रांजुल हॉस्पिटल के संचालक हिमांशु गौतम का एचडीएफसी बैंक कल्याणपुर शाखा में खाता है। पीड़ित के मुताबिक 15 दिसंबर को सुबह करीब 11:38 बजे धोखाधड़ी कर अलग अलग ट्रांजैक्शन के जरिए छह लाख की रकम दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

मंगलवार को जब वह रुपये निकालने बैंक पहुंचे। तो बैंक कर्मियों ने खाते से रकम निकलने की जानकारी दी। हिमांशु के मुताबिक उसके खाते में पहले पैसा ट्रांसफर करने की दो लाख की लिमिट थी। बैंक ने बिना अनुमति के लिमिट 2 लाख से बढ़ा कर 20 लाख रुपए कर दी। सोमवार को लिमिट बढ़ाई गई और अगले दिन पैसा खाते से निकल गया। उन्होंने बताया कि कोई बैंक का एप इंस्टॉल नहीं किया है। उस खाते से किसी प्रकार का ऑनलाइन लेनदेन भी नहीं करते हैं। जानकारी करने पर पता चला कि यह पैसा एचडीएफसी बैंक के खाताधारक के अकाउंट में ट्रांसफर हुआ है। पीड़ित ने घटना की जानकारी साइबर सेल के 1930 पर भी दी है। कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्र कांत शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिली है। साइबर सेल की मदद से जांच करवाई जा रही है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कन्या जन्म उत्सव का किया गया आयोजन, वितरित की गई नवजात बालिकाओं को बेबी किट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जनपद कानपुर नगर महिला कल्याण विभाग द्वारा डफरिन अस्पताल में कन्या जन्म उत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर नवजात बालिकाओं एवं उनकी माताओं को बेबी किट वितरित की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला कल्याण विभाग की जेंडर स्पेशलिस्ट शैल शुक्ला ने कहा कि बेटी बचाओ॒बेटी पढ़ाओ केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बेटियों को केवल जन्म देने तक सीमित न रखते हुए उन्हें शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।डफरिन अस्पताल की अधीक्षिका डॉ. रुचि जैन ने कहा कि समाज से बेटा-बेटी के बीच भेदभाव को समाप्त कर प्रत्येक बालिका को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग से जेंडर स्पेशलिस्ट शैल शुक्ला, रागनी श्रीवास्तव, आशीष सोनकर डफरिन अस्पताल से अधीक्षिका डॉ. रुचि जैन, डॉ. दरकशा सहित अन्य चिकित्सक एवं अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य कन्या जन्म को उत्सव के रूप में मनाकर समाज में सकारात्मक संदेश देना रहा।

मथुरा हादसा

यमुना एक्सप्रेसवे में घना कोहरा बना काल

सात बसों व तीन कारे आपस में टकराने से बस में लगी भीषण आग, 13 लोग जलकर खाक

» बीपीएस न्यूज

शवों को पहचानना हुआ मुश्किल, 17 बैग में लाए गए कंकाल और जले हुए टुकड़े

मथुरा । यमुना एक्सप्रेसवे पर मथुरा में घने कोहरे के कारण दर्दनाक हादसा हो गया। एक के बाद एक सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर लगने के बाद इन वाहनों में भयंकर आग लग गई। इस हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं 100 लोगों के घायल होने की सूचना है। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस वे पर मंगलवार तड़के घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। सुबह करीब 3:30 बजे बलदेव थाना क्षेत्र में 127 किलोमीटर माइलस्टोन के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक यात्री घायल हो गए। मंडल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि चार शवों की पहचान हो गई है, अन्य के शिनाख्त के लिए टीम जुटी हुई है। 17 बैग में कंकाल और जले हुए टुकड़े लाए गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के समय दृश्यता लगभग शून्य थी। कोहरे के चलते एक के बाद एक सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई वाहनों में धमाके के साथ आग लग गई। आग की लपटें उठते ही बसों में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और घायलों को वाहनों से बाहर निकाला गया।

घायलों को जिला अस्पताल मथुरा, 100 शैय्या अस्पताल वृंदावन में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर रूप से घायलों को एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर किया गया है।

मंडल आयुक्त ने दी ये जानकारी

मंडल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि चार शवों की पहचान हो गई है, अन्य के शिनाख्त के लिए टीम जुटी हुई है। फिलहाल घटना में प्रशासन ने दस लोगों के मरने की पुष्टि कर दी है, हालांकि बीस लोगों की जिन्दा जलकर मौत होने की जानकारी मिली है।

38 लोग जिला अस्पताल में भर्ती हैं। जिनका उपचार चल रहा है। 39 बलदेव सीएचसी पर हैं।कानपुर निवासी अमन यादव ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ कार से बांके बिहारी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। घने कोहरे के कारण कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। तभी अचानक सामने से आए वाहन ने उनकी कार में टक्कर मार दी और उसके बाद लगातार कई वाहन आपस में टकराते चले गए।

हमीरपुर की नसीमा ने बताया कि वह अपने पति के साथ मजदूरी करने पानीपत जा रही थीं। उनकी बस सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई, जिसके बाद उसमें तेजी से आग लग गई। किसी तरह जान बचाई जा सकी, लेकिन उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आगरा से नोएडा की ओर जाने वाले यमुना एक्सप्रेस वे पर लंबा जाम लग गया, जिसे बाद में यातायात पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों से सुचारू कराया।

बस का शीशा तोड़कर दोनों बच्चों को बाहर निकाला, खुद नहीं निकल पाई पार्वती

» बीपीएस न्यूज

यमुना एक्सप्रेसवे पर मथुरा में घने कोहरे के कारण दर्दनाक हादसा हो गया। एक के बाद एक सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर लगने के बाद इन वाहनों में भयंकर आग लग गई। इस हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं 100 लोगों के घायल होने की सूचना है।

कोहरे की चादर में लिपटे यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के हुआ भीषण सड़क हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं बल्कि मां की ममता और साहस की ऐसी कहानी बन गया, जिसने हर आंख नम कर दीं। जिला हमीरपुर के राठ की रहने वाली 42 वर्षीय पार्वती अपने दो बच्चों प्राची (12) और सनी (8) के साथ डबल डेकर बस से नोएडा अपने पति गोविंद के पास जा रही थीं। पार्वती ने इस हादसे में अपने दोनों बच्चों को तो बचा लिया पर वह खुद आग की लपटों में घिर गई।खतरे को भांपते ही पार्वती ने बिना पल गंवाए अपने सिर से बस की खिड़की का कांच तोड़ दिया। कांच के टुकड़े उनकी गर्दन में धंस गए, खून बहने लगा, लेकिन उसने दर्द की परवाह नहीं की। पहले अपनी बेटी प्राची को बाहर निकाला फिर बेटे सनी को। बच्चों की जान बच गई, मगर खुद पार्वती जलती हुई बस में फंस गईं। बस में जो जहां था, जिंदा जल गया। यमुना एक्सप्रेसवे का यह हादसा सिर्फ आंकड़ों की खबर नहीं बल्कि एक मां की ममता और त्याग की भी कहानी है।

इस दर्दनाक हादसे ने धर्म नगरी मथुरा को गहरे शोक में डुबो दिया है। सैकड़ों लोग इस हादसे से प्रभावित हुए, कई परिवार उजड़ गए। पार्वती की सूचना मिलते ही उनके पति गोविंद अपने बेटे आकाश और अन्य परिजन के साथ मथुरा पहुंचे।

अदालत ने सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी का पीएमएलए केस खारिज किया

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की मनी लॉन्ड्रिंग शिकायत को खारिज कर दिया है। अदालत ने साफ कहा कि ईडी की यह कार्रवाई कानूनन इस स्तर पर टिकाऊ नहीं है क्योंकि यह किसी प्राथमिकी पर आधारित नहीं है।

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत किसी मामले में जांच और अभियोजन तभी संभव है, जब उससे जुड़े अनुसूचित अपराध में प्राथमिकी दर्ज हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि ईडी का यह मामला एक निजी शिकायत से उपजा है, न कि किसी ऐसे अपराध से, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई हो।

प्राथमिकी के बिना संज्ञान संभव नहीं

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ईडी की शिकायत भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर निजी शिकायत पर आधारित है। ऐसे में धन शोधन के आरोपों पर संज्ञान लेना कानून के दायरे में नहीं आता। न्यायाधीश ने कहा कि जब तक किसी अनुसूचित अपराध में प्राथमिकी दर्ज नहीं होती, तब

तक पीएमएलए की धाराओं के तहत कार्यवाही नहीं की जा सकती।

अदालत ने ईडी की ओर से धन शोधन के कथित अपराध पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए अभियोजन शिकायत को खारिज कर दिया। साथ ही यह भी कहा कि पीएमएलए की धाराएं तीन और चार बिना वैधानिक आधार के लागू नहीं हो सकतीं।

जांच जारी, भविष्य के लिए दरवाजा खुला

हालांकि अदालत ने यह भी नोट किया कि दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इस मामले में अब प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस पृष्ठभूमि में अदालत ने कहा कि इस स्तर पर आरोपों के गुण दोष पर विचार करना जल्दबाजी होगी। अदालत ने ईडी को कानून के अनुसार आगे अपनी दलीलें रखने की छूट भी दी।

ईडी के आरोप और कांग्रेस का पक्ष

ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डोटेक्स मर्चेंडाइज और सुनील भंडारी को आरोपी बनाया था। एजेंसी का आरोप था कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की संपत्तियों को कथित साजिश के तहत यंग इंडियन के जरिए अपने कब्जे में लिया गया। ईडी के अनुसार इन संपत्तियों की कीमत दो हजार करोड़ रुपये से अधिक है।कांग्रेस नेताओं ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह मामला अभूतपूर्व है, जिसमें बिना किसी संपत्ति के उपयोग, प्रोजेक्शन या उपभोग के ही धन शोधन का आरोप लगाया गया। उनका कहना था कि यंग इंडियन के जरिए एजेएल को कर्ज मुक्त करने की प्रक्रिया अपनाई गई थी, न कि संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए कोई साजिश रची गई थी।

ये सच्चाई की जीत: कांग्रेस

अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सच्चाई की जीत हुई है और मोदी सरकार की दुर्भावना उजागर हो गई है। उन्होंने कहा कि अदालत ने साफ कर दिया है कि प्राथमिकी के बिना ईडी का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं बनता।

राम धुन के बीच गमगीन माहौल में वेदांती की अंतिम यात्रा ने किया नगर भ्रमण, सरयू में दी गई जल समाधि

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। राम मंदिर आंदोलन के योद्धा रहे डॉ. राम विलास दास वेदांती को सरयू में जल समाधि दी गई। इसके पहले उनकी अंतिम यात्रा ने अयोध्या में नगर भ्रमण किया।

राम धुन के बीच गमगीन माहौल में गोलोकवासी डॉ. राम विलास दास वेदांती की अंतिम यात्रा अयोध्या में नगर भ्रमण के साथ निकाली गई।

अंतिम यात्रा हिंदू धाम आश्रम से प्रारंभ होकर जानकी महल से गुजरते हुए मुख्य मार्ग पर पहुंची। रामपथ पर यात्रा ने राम मंदिर के सामने रामलला का दर्शन किया। इसके बाद हनुमंत लला के दर्शन कराए गए। इस दौरान पूरा नगर ‡जय श्रीराम‡ के उद्घोष और शोकाकुल वातावरण में डूबा रहा।इसके बाद अंतिम यात्रा सरयू तट स्थित संत तुलसीदास घाट पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और गमगीन माहौल के बीच उन्हें जल समाधि दी गई। संत, महंत, श्रद्धालु और अनुयायी नम आंखों से इस क्षण के साक्षी बने।

गौरतलब है कि राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार और प्रख्यात रामकथा वाचक डॉ. रामविलास दास वेदांती का मध्य प्रदेश के रीवां में रक्तचाप अचानक बढ़ जाने के कारण निधन हो गया था। उनके निधन से संत समाज और रामभक्तों को अपूर्णीय क्षति हुई है।उनका पार्थिव शरीर उनके आश्रम हिंदू धाम लाया गया, जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित अनेक वीवीआईपी, संत और महंत श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इस दौरान अयोध्या में शोक का माहौल रहा और हर आंख नम दिखाई दी।

फील्ड पर अलर्ट रहें अफसर: मथुरा हादसे के बाद सीएम योगी का आदेश, बोले- कोहरे की लाउडस्पीकर से दें चेतावनी

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। लखनऊ में मथुरा में कोहरे की वजह से यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोहरे और ठंड को लेकर अफसरों को फील्ड में अलर्ट रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने सभी मंडलायुक्त, आईजी, जिलाधिकारी, पुलिस, ट्रैफिक और नगर निकायों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि

जनजीवन, यातायात और निराश्रितों की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सीएम ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि सड़कों, गलियों, हाईवे से लेकर एक्सप्रेसवे तक सुरक्षा इंतजाम चाक-चौबंद रखे जाएं। एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग बढ़ाने, ब्लैक स्पॉट पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने, टीमें तैनात करने, क्रेन और

एंबुलेंस को चौबीस घंटे उपलब्ध रखने व टोल प्लाजा पर लाउडस्पीकर से चालकों को कोहरे की चेतावनी देने के निर्देश दिए।उन्होंने खराब विजिबिलिटी में यातायात प्रबंधन को सुनिश्चित करने और ओवरस्पीडिंग पर सख्त कार्रवाई करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि कोहरे के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में सड़क प्रकाश व्यवस्था, रिफ्लेक्टर, पेट्रोलिंग और आपात सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डार्क स्पॉट चिन्हित कर वहां तत्काल बेहतर इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरध और स्टेट हाईवे अधिकारियों के साथ समन्वय कर व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएं।

सीएम ने ठंड और शीतलहर के मद्देनजर निर्देश दिया कि कोई भी व्यक्ति खुले में सोता न मिले। निराश्रितों को रैन बसेरों तक पहुंचाया जाए, जहां हीटर, अलाव और कंबल की समुचित व्यवस्था हो।

ट्रैवल गाइडलाइन जारी

धुंध के दौरान वाहन की गति निर्धारित सीमा से कम रखें
वाहन की फॉग लाइट का प्रयोग करें और लो-बीम पर हेडलाइट रखें
इमरजेंसी इंडिकेटर्स को चालू रखें
आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें
एक्सप्रेस-वे पर बार-बार लेन बदलने से बचें
ओवरटेकिंग बिल्कुल न करें
यदि कोहरा बहुत घना हो, तो रिस्क न लें

वकीलों का मुरादाबाद बंद कल, पश्चिमी उत्तरप्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की मांग, कई संगठनों ने दिया समर्थन

» बीपीएस न्यूज

मुरादाबाद। पश्चिमी उत्तरप्रदेश में हाईकोर्ट की बेंच की स्थापना की मांग को लेकर 17 दिसंबर को प्रस्तावित मुरादाबाद बंद के लिए समर्थन जुटाने के लिए अधिवक्ताओं ने दुकानदारों से दिनभर संपर्क किया। मंगलवार को भी यह क्रम जारी रहा।

कई अन्य व्यापारिक, सामाजिक व राजनीतिक संगठनों ने भी लिखित रूप से अपना समर्थन दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी को दिया है।दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता ने साथी अधिवक्ताओं के साथ सोमवार को सुबह से बाजार में निकलकर दुकानदारों से संपर्क शुरू किया। अधिवक्ताओं ने डिप्टी गंज चौराहे से गुरट्टी चौराहा, ताड़ीखाना चौक, चड्ढा कॉम्पलेक्स होते हुए गुलजारी मल की धर्मशाला, टाउन लाल, गंज बाजार, पंजाबी मार्केट से ज्ञान मंदिर तक जनसंपर्क कर 17 दिसंबर को बाजार बंद रखने का आह्वान किया।अध्यक्ष ने बताया कि मंगलवार को भी बुद्ध बाजार मंडी चौक की ओर जनसंपर्क किया जाएगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर 17 दिसंबर को जिला बार एवं लाइब्रेरी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुरादाबाद बंद करने का एलान किया है। भारत रक्षा सेना ने सोमवार को मुरादाबाद बंद करने का समर्थन किया। भारत रक्षा सेना के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने बताया कि सभी पदाधिकारी आंदोलन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे। इसके अलावा दोपहर बाद संकाय कक्ष, राज्य कर कार्यालय, रामगंगा विहार में मुरादाबाद क्षेत्र की दि मुरादाबाद टैक्सेशन बार ऐसोसिएशन, टैक्स बार ऐसोसिएशन, जोनल टैक्स बार ऐसोसिएशन की संयुक्त बैठक की गई, जिसमें 17 दिसंबर के बंद को पूर्ण समर्थन देने का निर्णय लिया गया।इसमें जीपी मेहरोत्रा, राकेश कुमार शर्मा, मोहित अग्रवाल, केके शर्मा, अशोक त्यागी, राजीव टंडन, अनुज गुप्ता, प्रतीक गोयल, दीपक कुमार गुप्ता, अराफ़ात अली, अनुराग सिंह, ज़िया ज़मीर, लीला धर, शिशिर गुप्ता, राजीव अग्रवाल आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।अपना दल कमेरावादी के मंडल अध्यक्ष डॉ.रामेश्वर दयाल तुरैहा, शिव सेना पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला प्रमुख नन्हें चौधरी उर्फ दिनेश चौधरी, इंसानियत सेवा समिति के अध्यक्ष त्रिलोकचंद्र दिवाकर,मुरादाबाद के जिलाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के महानगर अध्यक्ष ठाकुर वैश्य जागरूक मंच के कार्यकारी महानगर अध्यक्ष अनुज गुप्ता एडवोकेट, महामंत्री केतन गोयल, गौरव गुप्ता, व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, पोलिथीन एंड पैकिंग मैटीरियल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुबोध अग्रवाल और मुरादाबाद पेरेंट्स ऑफ आल स्कूल के अध्यक्ष अनुज गुप्ता एडवोकेट का समर्थन पत्र मिला है।

सुवेंदु अधिकारी और भाजपा ने मेस्सी इवेंट के कुप्रबंधन को लेकर कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया; मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि विरोध जारी रहेगा और भाजपा ने इस मामले में अदालत में याचिका भी दायर की है। उन्होंने कहा कि विरोध जारी रहेगा और हमने कल अदालत में अपील भी दायर की है। उन्हें (अरूप बिस्वास) हिरासत में लिया जाना चाहिए; वे पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की भी मांग की। इससे पहले आज, भाजपा सांसद शशांक मणि ने लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में हुई अराजकता और तोड़फोड़ को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की आलोचना की। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह अराजकता राज्य सरकार की घोर लापरवाही को दर्शाती है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी के लोग इस तरह की अराजकता की कड़ी निंदा करेंगे।उन्होंने कहा कि मेस्सी के आगमन से जो अराजकता फैली, वह राज्य सरकार की अज्ञानता का नतीजा है। उनके (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) नेतृत्व में, उन्होंने एक ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया जिसके कारण भगदड़ मच गई। ममता बनर्जी को यह समझना चाहिए कि बंगाल इस तरह की अराजकता पर नहीं चलेगा, और अगर ऐसी अराजकता होती है, तो हमारी जनता इसकी निंदा करेगी। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मेस्सी का कोलकाता में प्रदर्शन, जो व्रह्ञ इंडिया टूर 2025 का पहला पड़ाव था, अराजकता में तब्दील हो गया।

आमिर खान प्रोडक्शंस की ‘हैप्पी पटेल- ख़तरनाक जासूस’ 16 जनवरी को रिलीज होगी..!

आमिर खान प्रोडक्शंस की ‘हैप्पी पटेल - ख़तरनाक जासूस’ 16 जनवरी को रिलीज होगी। इसकी अधिकारित घोषणा प्रोडक्शन हाउस द्वारा कर दी गई है। आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा से हटकर और अलग तरह की कहानियां पेश करता आया है।

लगान, तारे ज़मीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी शानदार फिल्मों के बाद यह एक बार फिर कुछ नया दिखाने की कोशिश है।

खास बात यह है कि इस बार उनकी साझेदारी मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास के साथ हुई है, जिन्होंने न सिर्फ अपने कॉमेडी स्पेशल्स के जरिए दुनियाभर में पहचान बनाई है, बल्कि गो गोआ गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

हैप्पी पटेल आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ वीर दास की दिल्ली बेली के बाद दूसरी फिल्म है। वीर दास के निर्देशन में बनी और उन्हीं के साथ मोना सिंह की अहम भूमिका वाली इस फिल्म का अनाउंसमेंट खुद में एक फन पैकेज था, जिसने हर तरफ चर्चा पैदा कर दी। अब जब उत्साह अपने चरम पर है, तो फिल्म का ट्रेलर सामने आ चुका है, जो भरपूर हंसी, मस्ती और मनोरंजन का वादा करता है। इस फिल्म का ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है और यह मज़े को एकदम नए लेवल पर ले जाता है।

ट्रेलर में जबरदस्त ह्यूमर और कई मज़ेदार, हटके पल देखने को मिलते हैं, जो साफ संकेत देते हैं कि फिल्म पूरी तरह एंटरटेनमेंट से भरी होने वाली है। निर्देशक और अभिनेता दोनों की भूमिका में वीर दास अपनी अलग और फ्रेश कॉमेडी स्टाइल लेकर आए हैं, जो खूब हंसाने वाली है। एनर्जी, चार्म और यंग वाइब से भरा यह ट्रेलर फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ा रहा है।

प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय

क्या आप फिट रहना चाहती हैं,.. फिट रहने के लिए 3 मिनट घर पर ही करें यह 1 एक्सरसाइज

सर्दियों के मौसम में रजाई से निकलना बेहद ही मुश्किल होता है। विंटर में जिम जाना या लंबी एक्सरसाइज करना भी नामुमकिन लगता है। यदि आप भी फिट रहना चाहती हैं, लेकिन ठंड की वजह से एक्सरसाइज नहीं करती, तो अब आपको चिंता करने की कोई जरुरत नहीं हैं।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि घर में आसान तरीके से असरदार एक्सरसाइज करने से आप फिट नजर आएगी। रोजाना केवल 3 मिनट के लिए फिट और एक्टिव रह सकती हैं। यह एक्सरसाइज मालासन वॉक है। फिटेनस एक्सपर्ट के मुताबिक, मालासन वॉक महिलाओं के शरीर के लिए खासतौर पर फायदेमंद होती है। यह फिटनेस को बढ़ाती है और हार्मोनल बैलेंस और रिप्रोडक्टिव हेल्थ में भी काफी सहायक है।

क्या है मालासन वॉक?

मालासन एक स्कवाट पोज है, जिसमें पैरों को थोड़ा फैलाकर बैठा जाता है। फिर इसी पोज में धीरे-धीरे आगे बढ़ा जाता है, तो इसे मालासन वॉक कहते हैं। इसको आप घर के अंदर या खुले स्थान पर कहीं भी आराम से कर सकते हैं।

मालासन वॉक कैसे करें?

इसके लिए पैरों को थोड़ा चौड़ा करके स्क्वाट पोज में बैठ जाएं।

अब पीठ सीधी रखें और दोनों हाथ सामने या नमस्कार मुद्रा में रखें।

इसी पोजिशन में छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़े।

शुरु-शुरु में 30 सेकेंड से शुरु करें और धीरे-धीरे 3 मिनट तक करें।

मालासन वॉक के फायदे

इस एक्सरसाइज करने से महिलाओं की फर्टिलिटी बढ़ाने में सहायक होती है।

पीरियड्स को रेगुलेट करती है और क्रैम्प्स कम करती है।

कब्ज को राहत दिलाती है और डाइजेशन को सुधारती है।

यह एक्सरसाइज करने से लोअर बैक और हिप्स में मजबूती आती है।

यह लोअर बॉडी को टोन भी करती है।यदि आप तेजी से कैलोरी बर्न करना चाहती हैं, तो इसे रोजाना करें।

इसके अलावा, सेक्सुअल एनर्जी को बैलेंस करती है और इमोशनल ब्लॉकेज रिलीज करती है।

क्या है इस एक्सरसाइज की खासियत?मालासन वॉक उन महिलाओं के लिए एक आसान और प्रभावी व्यायाम है, जिनके पास समय की कमी होती है या जो कठिन वर्कआउट नहीं कर पातीं। यह एक्सरसाइज हर उम्र की महिलाओं के लिए सुरक्षित मानी जाती है और सर्दियों के मौसम में शरीर को अंदर से गर्म रखने में भी मदद करती है।

रात को भूलकर भी इन लक्षणों को ना करें नजरअंदाज,.. आप कहीं डायबिटीज के शिकार तो नहीं!

डायबिटीज जीवनशैली से जुड़ी खतरनाक बीमारी है। आज के समय में अधिकतर लोग हाई ब्लड शुगर यानी डायबिटीज बीमारी का शिकार हैं। कुछ सालों से डायबिटीज के मरीजों की संख्या तेजी बढ़ी है। गौरतलब है कि गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण ब्लड शुगर की बीमारी बढ़ती है। डायबिटीज बीमारी में शरीर में ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ता है। अगर ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल नहीं किया गया था किडनी और हार्ट संबंधी बीमारियों का भी रिस्क बढ़ता है। रात के समय शरीर में शुगर लेवल बढ़ने के कुछ लक्षण नजर आते हैं। रात को इन लक्षणों को भूलकर भी नजरअंदाज ना करें।

पिछले कुछ सालों से डायबिटीज के मरीज की संख्या तेजी से बढ़ रही है. गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से अधिकतर लोग हाई शुगर लेवल का शिकार हो रहे हैं। डायबिटीज बीमारी में शरीर में ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ जाता है. ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल नहीं किया गया था किडनी और हार्ट संबंधी बीमारियों का भी रिस्क बढ़ जाता है। शरीर में शुगर लेवल बढ़ने पर कुछ लक्षण नजर आते हैं इन लक्षण की पहचान कर डायबिटीज की समस्या को कंट्रोल किया जा सकता है।सर्दियों के दौरान भी रात को पसीना आना, तो इस लक्षण को इग्नोर ना करें। रोजाना रात को पसीना आना डायबिटीज का संकेत हो सकता है। रात के समय ज्यादा पसीना आना हाई ब्लड शुगर का संकेत हो सकता है। यदि आपको भी रात को पसीना आता है, तो एक बार आपको शुगर लेवल की जांच करानी चाहिए।

इंतजार हुआ खत्म.... कानपुर मंडल में सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने संभाला चार्ज

» कहा शीघ्र ही जिले में खाली पड़े ड्रग निरीक्षक पद पर भी तैनाती कराई जाएगी

अतुल उपाध्याय (सहायक आयुक्त) औषधि

कानपुर। कई दिनों से कानपुर मंडल में सहायक आयुक्त औषधि की कुर्सी खाली थी। जिससे दवा व्यापारियों की कई फाइलें रुकी हुई थी। किसी को नया लाइसेंस बनवाना था तो किसी को लाइसेंस रिन्यूअल कराना था, लोगों को लाइसेंस रिन्यूअल की डेट निकलने के बाद हर महीने फाइन का भी डर था। इसीलिए दवा व्यापारियों को नए सहायक आयुक्त औषधि का बेसब्री से इंतजार था।

फिलहाल कानपुर मंडल में खाली पड़ी कुर्सी को आगरा मंडल से आकर नए सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने संभाल ली है। कुर्सी संभालते ही उन्होंने नकली दवाओं और नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ से नशीले सिरप बेचने के आरोपी विक्रेता फर्म बालाजी का लाइसेंस निरस्त कर दिया।

सहायक आयुक्त औषधि ने कहा कि नकली और नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले किसी भी व्यक्ति को बक्सा नहीं जाएगा। इसके लिए लगातार छापेमारी की कार्रवाई होती रहेगी।

उन्होंने यह भी माना कि इस वर्तमान में ड्रग निरीक्षकों के साथ स्टाफ की कमी है। जिले में वर्तमान समय में सिर्फ एक ही ड्रग निरीक्षक हैं। जिसकी वजह से काम का दबाव ज्यादा बढ़ रहा है। समस्या बड़ी है इस समस्या से निजात दिलाने के लिए शासन को अवगत कराया जाएगा। शीघ्र ही जिले में नए ड्रग इंस्पेक्टर की तैनाती कराई जाएगी।

कुछ दिनों पहले कानपुर में की गई छापेमारी में साफ हो चुका है कि कानपुर शहर नकली दवाओं का गढ़ बनता जा रहा है। कई क्षेत्रों में पकड़ी गई अवैध फैक्ट्रियां नकली व नशीली दवा के भंडारण ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। जनस्वास्थ्य से जुड़े इस मुद्दे पर अब औषधि विभाग पूरी तरह से गंभीर नजर आ रहा है। किसी भी संदिग्ध को छोड़ने के मूड़ में नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में जांच और छापेमारी का दायरा बढ़ाया जाएगा। जिससे नकली और नशीली दवाओ के नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके। साथ ही आम जनमानस के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके।

शहर के तीन नकली व नशीली दवा कारोबारी के लाइसेंस हुए निरस्त

नकली और नशीली दवा का कारोबार करने वालों के खिलाफ औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कानपुर में तीन थोक दवा कारोबारी के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। जिसमें मां लक्ष्मी फार्मा, अग्रवाल ब्रदर्स, एएस फार्मास्यूटिकल के थोक लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। इन्हें दो दो बार नोटिस भेजा गया था लेकिन इन्होंने कोई भी जवाब नहीं दिया था। ड्रग निरीक्षक ओमपाल सिंह ने बताया कि तीनों फर्मो को दो-दो बार नोटिस भेजी गई थी। लेकिन किसी ने भी जवाब नहीं दिया। इसलिए सभी के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। लाइसेंस निरस्त होने के बाद कोई भी अब खरीद बेच नहीं कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने किया रैन बसेरों का औचक निरीक्षण, मिली कई गंभीर खामिया, दी चेतावनी, 24 घंटे में करें व्यवस्था दुरुस्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बढ़ती ठंड के बीच जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने रात विभिन्न रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। मंगलवार रात लगभग 8ः15 बजे डीएम ने भैरव घाट स्थित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया, जहां व्यवस्थाओं की गंभीर खामियां सामने आईं। हालात देखकर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई और 24 घंटे के भीतर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के स्पष्ट निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मौके पर केयरटेकर रामबाबू तिवारी उपस्थित मिले। रैन बसेरे में ठहरे लोगों से बातचीत में सामने आया कि अब तक न तो रजाई उपलब्ध कराई गई है और न ही कंबल की कोई व्यवस्था है। मजबूरी में लोग अपना कंबल लेकर यहां रुकने को विवश हैं। अभिलेखों की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि इस रैन बसेरे की सुविधाओं का निरीक्षण अब तक किसी भी जोनल सेनेटरी ऑफिसर, जोनल अधिकारी अथवा अन्य वरिष्ठ अधिकारी द्वारा नहीं किया गया है।

रैन बसेरे के कमरों में गंदगी पाई गई और शौचालयों की स्थिति भी बेहद खराब मिली। केयरटेकर ने बताया कि यहां किसी स्वीपर की तैनाती नहीं है, जिससे नियमित सफाई नहीं हो पा रही है। प्रकाश व्यवस्था भी नाकाफी पाई गई, कमरों में अंधेरा पसरा हुआ था। बताया गया कि रैन बसेरे की क्षमता 50 लोगों की है, लेकिन समुचित इंतजाम न होने के कारण यहां ठहरने वाले लोगों को भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।

व्यवस्थाओं की गंभीर खामियों पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और निर्देश दिए कि 24 घंटे के भीतर साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, रजाई–कंबल की उपलब्धता सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि ठंड के मौसम में रैन बसेरों को लेकर किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने–अपने क्षेत्र में संचालित सभी रैन बसेरों का तत्काल निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ठंड के मौसम में जन सुविधा से जुड़ी किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। यदि किसी रैन बसेरे में कमी पाई गई तो संबंधित नोडल अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इससे पूर्व जिलाधिकारी ने परमट मंदिर के निकट स्थित रैन बसेरे का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां 18 लोग ठहरे हुए मिले। मौके पर अलाव जलता हुआ पाया गया तथा साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल की सुविधा संतोषजनक रही।

पेंशन दिवस पर आठवें वेतन आयोग में पुराने पेंशनर्स को लाभ देने की जोरदार उठाई गयी आवाज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर में कोषागार कार्यालय व्दारा आयोजित विशाल पेंशन दिवस पर जी एन के कालेज सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की उपस्थिति में सेवानिवृत्त कर्मचारी एंव पेंशनर्स एसोसिएशन कानपुर नगर के अध्यक्ष बी एल गुलाबिया ने बताया कि कोषागार से पेंशनर्स को किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। मुख्य कोषाधिकारी की सजगता के?समय से निस्तारण किया जाता, पेंशनर्स को भारत सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग का लाभ पुराने पेंशनर्स को न दिये से पेंशनर्स में व्यापक आक्रोष व्याप्त है तथा पेंशनर्स व्दारा निरन्तर आन्दोलन से सरकार को मजबूर होकर आज? सरकारके वित्त मंत्री द्वारा विडियो कांफ्रेंस के व्दारा पेंशनर्स के दर्द को सुनकर समाधान करने का भी प्रयास करेंगे और सभी पेंशनर्स से आग्रह किया कि यदि सरकार ने पेंशनर्स की? मांगो को नहीं माना तो ?एक साथ विशाल आन्दोलन में भाग ले। कार्यक्रम में अशोक कुमार मिश्रा, ताराचंद, रमाकांत वर्मा, रविन्द्र कुमार मधुर समेत सैकड़ों पेंशनर्स उपस्थित थे।

सभी जनपदवासी कोहरे और शीतलहर के मद्देनजर बरते सावधानी : जिलाधिकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने घने कोहरे, शीत दिवस और अति शीत दिवस की परिस्थितियों को देखते हुए जनपदवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोहरे के कारण वाहन चलाने में कठिनाई उत्पन्न हो जाती है और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही दृश्यता कम होने से हवाई अड्डों पर विमान संचालन भी प्रभावित हो सकता है। ऐसे मौसम में वाहन चलाते समय अत्यधिक सावधानी आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने बताया कि घने कोहरे में मौजूद सूक्ष्म कण और प्रदूषक तत्व फेफड़ों में जमा होकर उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं, जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा आंखों की झिल्लियों में जलन, लालिमा और सूजन की शिकायत भी सामने आ सकती है। ऐसे में विशेषकर बुजुर्गों, बच्चों और श्वसन संबंधी रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को अतिरिक्त सतर्क रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें और अनावश्यक यात्रा से बचें। यदि यात्रा आवश्यक हो तो हवाई सेवा, रेलवे या राज्य परिवहन से संपर्क कर समय की जानकारी प्राप्त करें। बिना अत्यावश्यक कारण घर से बाहर न निकलें और बाहर निकलते समय चेहरे को ढककर रखें।

जिलाधिकारी ने कहा कि शीत दिवस और अत्यधिक ठंड के दौरान फ्लू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शरीर में कंपकंपी को नजरअंदाज न करें, क्योंकि यह शरीर के अत्यधिक गर्मी खोने का प्रारंभिक संकेत है। ठंड के कारण बिजली की खपत बढ़ने से विद्युत आपूर्ति पर भी दबाव पड़ सकता है, ऐसे में बिजली का विवेकपूर्ण उपयोग करें।

उन्होंने नागरिकों को सलाह दी कि ढीले–ढाले, हल्के वजन वाले गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें और बाहरी गतिविधियों को यथासंभव सीमित रखें। सिर, गर्दन, हाथ और पैरों की उंगलियों को अच्छी तरह ढककर रखें, क्योंकि शरीर की अधिकांश गर्मी इन्हीं अंगों से निकलती है। हीटर या अन्य ताप उपकरणों का उपयोग करते समय कमरे में हवा का पर्याप्त प्रवाह बनाए रखें, जिससे जहरीला धुआं सांस के माध्यम से शरीर में न जाए।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से चेतावनी दी कि अंगीठी या किसी भी प्रकार का ताप उपकरण बंद कमरे में न जलाएं, क्योंकि इससे दम घुटने और गंभीर दुर्घटना की आशंका रहती है।

उन्होंने कहा कि जनपद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और ठंड से बचाव के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक तत्काल प्रशासन या संबंधित विभाग से संपर्क करें।

कानपुर स्थित आयकर भवन मुख्यालय में 10 सूत्रीय मांगों के समर्थन में किया गया प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्पलाईज एंड वर्कर्स एवं आयकर कर्मचारी महासंघ केंद्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सर्किल द्वारा कानपुर सहित पश्चिमी ऊ.प्र. एवं उत्तराखंड सर्किल के समस्त स्टेशनों सहित कानपुर स्थित आयकर भवन मुख्यालय में निम्न 10 सूत्रीय मांगों के समर्थन में मध्यावकाश के दौरान प्रदर्शन किया गया।

इस प्रदर्शन में पश्चिमी ऊ.प्र. एवं उत्तराखंड सर्किल के मुख्यालय कानपुर में स्थित समस्त आयकर कार्यालयों में आयकर कर्मचारी महासंघ,पश्चिमी ऊ.प्र. एवं उत्तराखंड सर्किल तथा कानपुर रीज़न द्वारा इस प्रदर्शन को शत प्रतिशत सफल बनाया गया।

1.8वें वेतन आयोग के कार्यादेश एवं स्टाफ साइड एन.सी.–जे.सी.एम. द्वारा कर्मचारियों एवं पेंशनरों के वेतन/पेंशन संशोधन तथा अन्य विषयों पर दिए गए सुझावों/विचारों को सम्मिलित करते हुए संशोधन किया जाए।

2. 50त्न महंगाई भत्ता/महंगाई राहत (ष्ठ/ष्ठक्र) को मूल वेतन/पेंशन में विलय किया जाए तथा 01.01.2026 से वेतन/पेंशन का 20त्न अंतरिम राहत प्रदान की जाए।

3. एनपीएस/यूपीएस को समाप्त कर सभी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए।

4. पेंशनरों के बीच किसी भी प्रकार का भेदभाव न किया जाए, विशेषकर सेवानिवृत्ति की तिथि अथवा केंद्रीय वेतन आयोग की स्वीकृत सिफारिशों के आधार पर।

5. कोविड महामारी के दौरान स्थगित किए गए 18 माह (तीन किस्तों) के महंगाई भत्ता/महंगाई राहत (ष्ठ/ष्ठक्र) को कर्मचारियों एवं पेंशनरों को जारी किया जाए तथा पेंशन के कम्यूटेड भाग की बहाली 15 वर्ष के स्थान पर 11 वर्ष में की जाए।

6. अनुकंपा नियुक्ति पर लगाए गए 5त्न की सीमा को हटाया जाए तथा दिवंगत कर्मचारी के आश्रितों/परिजनों को सभी मामलों में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए।

7. सभी विभागों में सभी संवर्गों के रिक्त पदों को भरा जाए, आउटसोर्सिंग एवं सरकारी विभागों के कॉरपोरेटाइजेशन को रोका जाए।

8. जे.सी.एम. तंत्र के अनुसार संघों/महासंघों के लोकतांत्रिक संचालन को सुनिश्चित किया जाए।(क) लंबित संघों/महासंघों को मान्यता प्रदान की जाए तथा ग्रुप–C यूनियन, एवं की मान्यता निरस्तीकरण के आदेश वापस लिए जाएँ।

(ख) सेवा संघों/महासंघों पर नियम 15(1)(ष) का थोपना बंद किया जाए।

(ग) यूनियन पदाधिकारियों के विरुद्ध प्रतिशोधात्मक उत्पीड़न/पीड़न को रोका जाए।

9. जे.सी.एम. के अंतर्गत मध्यस्थता बोर्ड द्वारा दिए गए उन पुरस्कारों को, जिन पर सहमति बन चुकी है, विशेषकर सी.ए. संदर्भ संख्या 3/2001 के मामलों में, तुरंत लागू किया जाए।

10. कैजुअल कंटिजेंट, संविदा श्रमिकों तथा जी.डी.एस. कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाए तथा स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों को केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के समान दर्जा प्रदान किया जाए।

इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से पश्चिमी ऊ.प्र. एवं उत्तराखंड सर्किल के महासचिव कॉम सुनील कुमार के अलावा विशेष रूप से ष्ठहृष्ट के पूर्व महासचिव एवं वरिष्ठ केंद्रीय नेता काम. शरद प्रकाश अग्रवाल, संयुक्त सचिव कॉम पंकज यादव, सहायक सचिव कॉम अभिषेक बाजपेई, ऑडिटर काम अनिल चौधरी, ष्ध्द. अशोक द्विवेदी, काम. आनंद द्विवेदी, ष्ध्द. उत्कर्ष शुक्ला, काम. उमेश वर्मा, काम. प्रवीण बाजपेई, काम. कृष्ण कुमार, काम. दीपांकर चौरसिया, काम अमित पटेल, काम वैभव सचान,काम चंद्रभान सिंह, काम आनंद प्रकाश मिश्रा, सहित भारी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अध्यक्षता आयकर कर्मचारी महासंघ, कानपुर रीजन के अध्यक्ष कॉम नवनीत शुक्ला तथा संचालन ष्ठहृष्ट उत्तर प्रदेश के सहायक सचिव काम. शिव कुमार द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों को शैक्षणिक, नैतिक एवं व्यावसायिक दृष्टि से सशक्त बनाना- डॉ मौर्या

कानपुर। चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कृषि महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभङ्कसहङ्कओरिएंटेशन कार्यक्रम का पाँचवाँ दिन अत्यंत सार्थक एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सी. एल. मौर्य के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में किया गया।कार्यक्रम के प्रथम वक्ता विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से संबंधित नियमों व अनुशासनात्मक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने अध्ययन प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया, परीक्षा प्रणाली एवं शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

वक्ता कृष्णवीर सिंह शाक्य ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रभावी तैयारी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. सी. एल. मौर्य ने कहा कि दीक्षारंभ कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक, नैतिक एवं व्यावसायिक दृष्टि से सशक्त बनाना है, ताकि वे विश्वविद्यालय जीवन के साथ–साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। उन्होंने वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से प्राप्त मार्गदर्शन को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। पाँचवें दिन के सत्रों ने विद्यार्थियों को अनुशासित, लक्ष्यपूर्ण एवं सफल शैक्षणिक जीवन की दिशा में प्रेरित किया।

एसआईआर की प्रगति पर डीएम ने राजनीतिक दलों संग की बैठक, मांगा सहयोग

» 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिक फॉर्म–6 भर बने मतदाता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत जनपद की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुए डीईओ ने गणना प्रपत्र जमा कराने और एएसडी श्रेणी के निर्वाचकों के चिन्हांकन में राजनीतिक दलों से सहयोग का अनुरोध किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा बीएलओ एवं बीएलए की बैठकें आयोजित कर ली गई हैं। इन बैठकों में उपस्थित सभी बीएलए को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृतक (एएसडी) मतदाताओं की सूची उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की एएसडी सूची डीईओ पोर्टल के लिंक https://kanpurnagar.nic.in/deo-portal/ पर भी उपलब्ध है, जिसे कोई भी व्यक्ति देख सकता है।

भाजपा, सपा तथा सीपीआई (एम) सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने जिला निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराया कि अनुपस्थित, शिफ्टेड एवं मृतक (एएसडी) मतदाताओं की जो सूची उन्हें उपलब्ध कराई गई है, उसमें अभी तक उनकी पार्टी के बीएलए द्वारा किसी भी प्रकार की कोई विशेष कमी संज्ञान में नहीं लाई गई है।

बैठक में यह भी बताया गया कि जनपद में मृतक, अनुपस्थित और शिफ्टेड (एएसडी) मतदाताओं की संख्या 9,07,094 है, जो कुल मतदाताओं का 25.64 प्रतिशत है। माननीय निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार अधिकतम नो–मैपिंग वाले मतदेय स्थलों पर बीएलए एवं बीएलओ के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जिससे राजनीतिक दलों के सहयोग से मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और शुद्धतम रूप में तैयार किया जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो पात्र नागरिक अभी किसी भी स्थान के मतदाता नहीं हैं या जिन्हें गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुआ है, वे फॉर्म–6 भरकर बीएलओ को दें अथवा वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से आवेदन करें। बीएलओ को पर्याप्त मात्रा में फॉर्म–6 उपलब्ध कराए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि एक जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के पात्र हैं। डीईओ ने किसी भी स्थिति में एक से अधिक गणना प्रपत्र न भरने का अनुरोध किया। भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता सूची में दो स्थान पर मतदाता होना अविधिक है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची से अलग होती है। ग्राम पंचायत चुनाव में राज्य निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के अनुसार मतदान होता है और उसका भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची से कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 26 दिसंबर 2025 तक गणना प्रपत्र जमा किए जा सकते हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 31 दिसंबर 2025 को किया जाएगा, जिस पर 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी 2026 को होगा।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ विवेक चतुर्वेदी, समस्त विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ तथा भाजपा, सपा, सीपीआई (एम) सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एसडीएम की अध्यक्षता में एसआईआर के संबंध में एक बैठक की गई आयोजित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के संबंध में नर्वल तहसील में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी महाराजपुर विवेक कुमार मिश्रा ने की, जिसमें मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।बैठक के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों को एसआईआर के अंतर्गत अब तक की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया गया। उन्हें बताया गया कि अभियान के तहत स्थानांतरित, मृतक, दोहरे तथा अनुपस्थित मतदाताओं के चिन्हीकरण का कार्य प्राथमिकता पर किया जा रहा है। अब तक प्राप्त सूचनाओं के आधार पर ऐसे मतदाताओं की सूचियां सभी प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गईं और उनसे अनुरोध किया गया कि वे मतदाताओं की मैपिंग तथा चिन्हीकरण में आवश्यक सहयोग प्रदान करें।बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए प्रशासन और राजनीतिक दलों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। इस क्रम में सभी दलों के प्रतिनिधियों ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त किया और अभियान को सफल बनाने में सहयोग का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कानपुर जिलाधिकारी ने की शिष्टाचार भेंट

ताड़पत्र पर उकेरी गई मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम की स्तुति की भेंट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने कानपुर नगर के प्रसिद्ध कैलीग्राफर विजय वर्मा द्वारा ताड़पत्र पर उकेरी गई मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम की स्तुति माननीय मुख्यमंत्री को भेंट की। ताड़पत्र पर अंकित यह कलाकृति भारतीय परंपरागत लिपि-कला और सांस्कृतिक विरासत का सुंदर उदाहरण है।

शिष्टाचार भेंट के दौरान जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को जनपद कानपुर नगर में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न नवोन्मेषी पहलों, आधारभूत संरचना तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े प्रमुख बिंदुओं की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने जनपद में चल रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

पाक पर ऐतिहासिक जीत के 54 साल: अमर जवान चौक पर गूँजे 'भारत माता की जय' के नारे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 16 दिसंबर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत की ऐतिहासिक विजय की 54वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में मंगलवार को मोती झील स्थित अमर जवान चौक पर 'विजय दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। जन जागृति मंच के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष एवं दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य विनोद मिश्र के नेतृत्व में शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और दीप प्रज्वलित कर उनके अतुलनीय बलिदान को स्मरण किया गया।

साहसी सैनिकों के पराक्रम को नमन

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने 13 दिनों तक चले इस युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस और पराक्रम की गाथा सुनाई। विनोद मिश्र ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा साहसी निर्णय लेने वाला नेतृत्व होता, तो शायद कश्मीर समस्या भी उसी समय हल हो गई होती और पाकिस्तान का अस्तित्व ही समाप्त हो चुका होता।

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. दिवाकर मिश्रा ने युद्ध के संक्षिप्त इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 3 दिसंबर 1971 को शुरू हुए इस युद्ध में भारतीय सेना ने मात्र 13 दिनों के भीतर पाकिस्तानी सेना को धूल चटा दी थी। वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण पाल ने भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी सेना को दी गई करारी चोट का उल्लेख किया।

निवर्तमान जिला शासकीय अधिवक्ता सरला गुप्ता ने वर्तमान संदर्भ में कहा कि पाकिस्तान अच्छी तरह जानता है कि भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो राष्ट्रहित में साहसिक निर्णय लेने में जरा भी देर नहीं करते।

गगन भेदी नारों से गूँजा चौक

कार्यक्रम के दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम', 'भारतीय सेना जिंदाबाद', और 'हमारे शहीद अमर रहें' के गगन भेदी नारे भी लगाए गए, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस अवसर पर विनोद मिश्र, प्रकाश वीर आर्य, डॉ. दिवाकर मिश्रा, राकेन्द्र मोहन तिवारी, दीपक श्रीवास्तव, अरुण पाल, पंडित मुकेश शुक्ला, युवा अधिवक्ता एवं बार एसोसिएशन के पूर्व संयुक्त मंत्री प्रशासन यशु शुक्ला, निवर्तमान शासकीय अधिवक्ता सरला गुप्ता एडवोकेट, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और देशभक्त नागरिक उपस्थित रहे।

ठंड से बचाव की एडवायजरी जारी, सतर्क रहें सुरक्षित रहें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर।शीतलहर और बढ़ती ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने जनहित में विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शीतलहर के दौरान सतर्कता और सावधानी से जनहानि और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से यह एडवाइजरी जारी की गई है।

जिलाधिकारी ने कहा कि नागरिक स्थानीय रेडियो, दैनिक समाचार पत्र, टीवी और मोबाइल फोन के माध्यम से मौसम की ताजा जानकारी नियमित रूप से लेते रहें। कोयले की अंगीठी, मिट्टी तेल का चूल्हा, हीटर या ब्लोवर का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतें और कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें, जिससे जहरीली गैस या धुआं एकत्र न हो। शरीर को सूखा रखना आवश्यक है, गीले कपड़े तुरंत बदल लें। अत्यधिक ठंड के दिनों में यदि घर में अलाव की व्यवस्था न हो तो सामुदायिक केंद्रों और आश्रय स्थलों पर जाएं, जहां प्रशासन द्वारा अलाव की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि कई परतों वाले गर्म ऊनी कपड़े, स्वेटर, टोपी, मफलर आदि शीतलहर के प्रभाव को कम करने में सहायक होते हैं। ऊनी कपड़ों की कमी की स्थिति में दो-तीन कपड़े एक के ऊपर एक पहनकर भी ठंड से बचाव किया जा सकता है। अत्यधिक ठंड और कोहरे के दौरान छोटे बच्चों और बुजुर्गों को यथासंभव घर के भीतर ही रखें। शरीर की ऊष्मा बनाए रखने के लिए पोषक आहार और गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें तथा धूप निकलने पर उसका लाभ लें।

जिलाधिकारी ने हाइपोथर्मिया के लक्षणों पर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि शरीर का असामान्य तापमान, भ्रम या स्मृति हानि, बेहोशी, अत्यधिक ठिठुरन, सुस्ती, थकान या तुतलाहट जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल से संपर्क करें। इसी तरह शीतदंश की स्थिति में हाथ-पैर की उंगलियों, कान या नाक का सुन्न पड़ना अथवा सफेद या पीले रंग के दाग उभरने पर भी तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि आसपास अकेले रहने वाले पड़ोसियों, विशेषकर बुजुर्गों की जानकारी रखें और किसी भी आपात स्थिति में नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें। ठंड और शीतलहर के दौरान पालतू पशुओं और पक्षियों के बाड़ों को ऊष्मा रोधी बनाएं, खिड़की-दरवाजे ढककर रखें, लेकिन वेंटिलेशन के लिए पर्याप्त स्थान खुला छोड़ें। सिगड़ी, अलाव या अंगीठी सोते समय बुझाकर ही सोएं और इन्हें बंद स्थानों पर जलाने से बचें, ताकि आगजनी की घटनाएं न हों। यदि कोई निराश्रित, असहाय, विकलांग, बीमार या मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति ठंड से प्रभावित दिखाई दे तो क्षेत्रीय लेखपाल के माध्यम से उन्हें नि:शुल्क कंबल दिलाने में सहयोग करें।

एडवाइजरी में शीतलहर से पहले और शीतलहर के दौरान अपनाए जाने वाले उपाय भी स्पष्ट किए गए हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखें, पर्याप्त सर्दियों के कपड़े पहनें, आपातकालीन आवश्यक सामग्री पहले से तैयार रखें और ठंड से जुड़ी बीमारियों के लक्षण दिखने पर डॉक्टर से संपर्क करें। शीतलहर के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें, ढीले और विंडप्रूफ कपड़ों की कई परतें पहनें, सिर, गर्दन, हाथ और पैरों को अच्छी तरह ढकें, दस्ताने, टोपी और मफलर का उपयोग करें, विटामिन-सी युक्त फल-सब्जियां खाएं और नियमित रूप से गर्म तरल पेय का सेवन करें।

विशाल भंडारे का किया गया आयोजन

कानपुर। नौबस्ता दासु कुआं स्थित साहू जी महाराज रेस्टोरेंट प्रबंधक सुरेश साहू द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों व राहगीरों को पूरी, सब्जी, हलवे का भंडारा कराया गया। भंडारे में हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कबूतर फैलाते है संक्रमित बीमारियां?

कानपुर। कबूतर जहां-जहां जाता है वहां-वहां दूसरे सभी पक्षियों को खत्म कर देता है। पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त कर देता है। इकोसिस्टम में कबूतर का शिकार करने वाले पक्षी जैसे बाज और चील बहुत कम हो चुके हैं या ना के बराबर हो गए हैं तो कबूतर अपनी संख्या खूब ज्यादा बढ़ा रहे हैं।

कबूतरों से कई बीमारियां फैल सकती हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं- हिस्टोप्लाज्मोसिस, क्रिप्टोकोकोसिस, सिटाकोसिस और हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस। ये बीमारियां कबूतरों की बीट, पंख और धूल के माध्यम से फैल सकती है। वैसे भी कबूतर भारतीय मूल का पक्षी नहीं है, यह अफ्रीका महाद्वीप से भारत में आया और भारत पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया और दूसरे सभी पक्षियों को विलुप्त कर दिया।जो जैन समुदाय मुंबई में कबूतरों को दाना डालने के लिए वर्षों से आंदोलनरत है, उस जैन समुदाय को समझना चाहिए कि कबूतर बढ़ाने से जरूरी है कोयल, गौरैया, मैना, बुलबुल, तोता, कीलहट, टिटिहरी जैसे हजारों भारतीय मूल के पक्षी जो कि शहरों-कस्बों से विलुप्त होते जा रहे हैं उन्हें बचाना ज्यादा जरूरी है। और वह तभी बच सकते हैं जब कबूतरों की संख्या कम की जाए।

बाबा बड़े दयालू है ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू है
बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स
हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।
(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)
24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर
महेंद्र पटेल प्रबंधक
माधुरी पटेल डायरेक्टर
पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046
पता:- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders
CARE-TEX OUR MISSION IS PATIENT CARE
ORDER ONLINE ON amazon
ABDOMINAL BELT, WARM BAG, COMPRESSOR NEBULIZER, ARM SLING POUCH, WRIST BAND, THERMOMETER, WRIST BINDER, STETHOSCOPE, SOFT CERVICAL COLLAR, KNEE CAP, ELBOW SUPPORT
ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Since:1992
Sahu Ji Maharaj Restaurant
राजसी ठाट देसी अंदाज़
638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)
M: 8303637506
9792526852

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।